राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

मोहित रैना की मुंबई डायरीज 2...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

रविवार, 01 अक्टूबर 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 282 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

छत्तीसगढ़ भ्रस्टाचार और कुशासन से त्रस्त

पीएम मोदी बोले– हम लोगों के सपनों को पूरा करने की गारंटी देते हैं

रायपुर। छत्तीसगढ़ चुनाव को लेकर भाजपा राज्य में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिलासपुर में परिवर्तन महासंकल्प रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनता का उत्साह देखकर साफ तौर पर इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में इस बार परिवर्तन होकर रहेगा। छत्तीसगढ़ में इस पर भाजपा की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की हर योजना में भ्रष्टाचार है। यहां की जनता भ्रष्टाचार से पूरी तरीके से त्रस्त है। छत्तीसगढ़ के विकास के प्रति हमेशा भाजपा समर्पित रही है। जनता के सपनों को पूरा करना ही हमारा मकसद है। उन्होंने कहा कि हम जनता के सपनों को पूरा करने की गारंटी देते हैं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि छत्तीसगढ़ में रोजगार के नाम पर घोटाला हो रहा है। छत्तीसगढ़ के सरकार केंद्र सरकार को मदद नहीं कर रही है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ की आकांक्षाओं को समझते हुए इस प्रदेश का निर्माण किया था। छत्तीसगढ़ के विकास के लिए भाजपा केंद्र में हो या राज्य में पूरी तरह समर्पित रही है। आप लिख लीजिए आपका सपना मोदी का संकल्प है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के अत्याचारों से त्रस्त अब छत्तीसगढ़ की जनता कह रही है और नहीं सहेंगे बदल के रहेंगे। छत्तीसगढ़ भ्रस्टाचार और कुशासन से त्रस्त है। रोजगार के नाम पर घोटाले ही घोटाले हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली से मैं जितनी कोशिश करूं यहां कि कांग्रेस सरकार उसको फेल करने में जुटी रहती है। पिछले पांच साल में केंद्र से छत्तीसगढ़ को हजारों करोड़ रुपए मिले हैं। यहां सड़क हो, रेल हो, बिलजी हो, यहां के विकास के लिए मैंने पैसों की कोई कमी नहीं होने दी और ये बात मैं नहीं, बल्कि यहां के कांग्रेस सरकार के उपमुख्यमंत्री का कहना है। इसलिए यहां भाजपा की सरकार जरूरी है।

दो छात्रों की हत्या पर आलोचना झेल रहे सीएम बीरेन सिंह बोलेः जल्द दोषियों को पकड़ा जाएगा

इंफाल। मणिपुर में दो छात्रों की हत्या को लेकर तनाव बढ़ने पर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को लोगों को आश्वासन दिया कि दोषियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से दोषियों को पकड़ लेंगे। सब कुछ जल्द ही ठीक हो जाएगा। इस सप्ताह की शुरुआत में दो छात्रों के शव दिखाने वाली तस्वीरें ऑनलाइन सामने आने के बाद से पूर्वोत्तर राज्य, विशेषकर इंफाल में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। विरोध प्रदर्शन के कारण राज्य सरकार ने 1 अक्टूबर तक मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर फिर से प्रतिबंध लगा दिया। मणिपुर पुलिस के मुताबिक, जांच की शुरुआती जांच में पता चला है कि दोनों छात्र 6 जुलाई को भाग गए होंगे, लेकिन भागते समय एक समुदाय के प्रभुत्व वाले इलाके में फंस गए, जिसके बाद कथित तौर पर उनका अपहरण कर लिया गया और उनकी हत्या कर दी गई। मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही है। इस बीच, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा के लिए इंफाल में मणिपुर पुलिस मुख्यालय में एक बैठक की। बैठक के दौरान अधिकारियों को छात्रों के साथ–साथ सुरक्षा कर्मियों की दुर्भाग्यपूर्ण चोटों से अवगत कराया गया।

मणिपुर के सीएम आवास पर हमले की कोशिश

तनाव के बीच गुरुवार रात प्रदर्शनकारी भीड़ ने इंफाल में मणिपुर के सीएम के पैतृक घर पर हमला करने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक, भीड़ को रोकने और तितर–बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे। मणिपुर में जातीय हिंसा पहली बार 3 मई को शुरू हुई जब बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में श्आदिवासी एकजुटता मार्चश के दौरान झड़पें हुईं।

शाह ने चंद्रयान-3, नया संसद भवन, जी20 सम्मेलन और महिला आरक्षण के लिए मोदी की प्रशंसा की

अहमदाबाद। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नया संसद भवन ,चंद्रयान–3, जी20 शिखर सम्मेलन और महिला आरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने इन सभी चार काम को तीन महीने में पूरा किया, जबकि इनमें से किसी एक को पूरा करने में आमतौर पर 50 साल लग जाते। शाह ने यहां एकत्र लोगों को संबोधित करते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 'कायाकल्प' करने, उसके वैज्ञानिकों को प्रेरित करने और विकसित व विकासशील देशों, दोनों के साथ होने का भारत द्वारा जी20 के जरिये संदेश देने के लिए मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी ने राज्य विधानसभाओं और लोकसभा में महिलाओं को33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने संबंधी विधेयक को पारित कराकर 'मातृ शक्ति' को सम्मान दिया है। शाह ने कहा कि मोदी ने महिलाओं के योगदान को अपनी नीतियों और कानून के जरिये मान्यता दी है। शाह ने कहा, ''मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि नरेन्द्र भाई ने तीन महीने में जो चार काम किए है, उन्हें किसी और को पूरा करने में 50 साल लग जाते। यह दर्शाता है कि नरेन्द्र भाई के नेतृत्व में राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) भारत को दुनिया में उसके स्थान पर स्थापित करने को प्रतिबद्ध है।'' नारी शक्ति वंदन विधेयक पर टिप्पणी करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा इसे नयी संसद में लाये जाने से पहले यह वर्षों तक अधर में लटका हुआ था।

कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

दो आतंकवादी ढेर, पुलवामा में आतंकी ठिकानों का भंडाफोड़

श्रीनगर। शनिवार को जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की एक और कोशिश को जम्मू–कश्मीर पुलिस ने भारतीय सेना के साथ एक संयुक्त अभियान में सफलतापूर्वक विफल कर दिया, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा बलों ने अन्य हथियारों और गोला–बारूद के साथ एक पाकिस्तानी पिस्तौल और पाकिस्तानी मुद्रा में 2,100 रुपये भी बरामद किए। कुपवाड़ा पुलिस के मुताबिक, माछिल सेक्टर के कुमकादिया इलाके में विशेष इनपुट के आधार पर ऑपरेशन शुरू किया गया था। कुपवाड़ा पुलिस ने कहा, ष्कुपवाड़ा पुलिस द्वारा दिए गए खुफिया इनपुट के आधार पर, माचल सेक्टर के कुमकाडी इलाके में सेना और पुलिस द्वारा किए गए संयुक्त अभियान में अब तक घुसपैठ करने वाले 2 आतंकवादी मारे गए हैं। ऑपरेशन अभी भी जारी है।ष पुलिस ने कहा, ष्मुठभेड़ स्थल से अब तक 02 अक्स, 4एकेमैग, 90 आरडी, 01 पाक पिस्तौल, 01 पाउच और 2100 रुपये की पाक मुद्रा आदि बरामद की गई है। तलाश जारी है।ष इस बीच, जम्मू–कश्मीर पुलिस और सेना की 42 राष्ट्रीय राइफल्स ने पुलवामा में नागबल वन, गुलशनपोरा त्राल के वन क्षेत्र में दो आतंकी ठिकानों का भंडाफोड़ किया। भारतीय सेना ने कहा, ष्एक विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, जम्मू–कश्मीर पुलिस और सेना की 42 राष्ट्रीय राइफल्स ने नागबल वन, गुलशनपोरा त्राल के वन क्षेत्र में घेराबंदी की। तलाशी के दौरान, दो आतंकी ठिकानों का भंडाफोड़ किया गया।ष

कृषि कुंभ 2.0 : नई दिल्ली में होगा कर्टेन रेजर इवेंट, लखनऊ में होगा मुख्य समारोह

लखनऊ। वर्ष 2018 में कृषि कुंभ के आयोजन के लिए देश भर में सराहे गए उत्तर प्रदेश में कृषि कुंभ 2.0 को वैश्विक समारोह बनाने के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। शनिवार को इसकी समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश कृषि कुंभ 2.0 में प्रदेश के प्रत्येक जनपद के साथ–साथ देश के हर राज्य की भागीदारी कराई जानी चाहिए। हर राज्य में कृषि क्षेत्र में हो रहे बेस्ट प्रैक्टिस को यहां प्रदर्शित किया जाए, इससे हमारे किसान तकनीकी दृष्टि से और संपन्न हो सकेंगे। यह आयोजन बीज से बाजार तक और दुनिया भर में कृषि क्षेत्र में अपनाई जा रही तकनीक से लेकर नवाचार तक की जानकारी देने वाला होगा। आयोजन दिसंबर के दूसरे सप्ताह में संभावित है। उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि कुंभ के इस दूसरे संस्करण में 02 लाख से अधिक किसानों की प्रतिभागिता कराई जाए। भारत सरकार के माननीय मंत्रीगणों, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की कृषि एवं संवर्गी सेक्टर की ख्यातिलब्ध कंपनियोंध्संस्थाओं, सभी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्रों, प्रगतिशील किसानों को आमंत्रित किया जाए। सम्मेलन के वैश्विक स्वरूप पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान, इजरायल, क्रोएशिया, पोलैंड, पेरू, जर्मनी, यूएसए, फिलीपींस, साउथ कोरिया, इंडोनेशिया जैसे देशों में खेती–किसानी को लेकर अनेक अभिनव कार्य हो रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तर्ज पर संबंधित देशों में भारतीय दूतावासोंध्उच्चायोग से संपर्क कर इन देशों को कृषि कुंभ में कंट्री पार्टनर के रूप में सहभागी बनाने के प्रयास किए जाएं। सम्मेलन का मुख्य कार्यक्रम लखनऊ स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में होगा, जबकि इससे पूर्व नई दिल्ली में कर्टेन रेजर इवेंट भी आयोजित किया जाएगा। कृषि कुंभ के विभिन्न आयामों के संबंध में विमर्श करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन के दौरान गौ–आधारित प्राकृतिक खेती, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने की तैयारियों, श्री अन्न के प्रोत्साहन, एफपीओ आधारित व्यवसाय, खेती की लागत को कम करने, पराली प्रबन्धन के साथ–साथ +1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था वाले राज्य में कृषि सेक्टर के योगदान को बढ़ाने के प्रयासों पर चर्चा कराई जानी चाहिए। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार विभिन्न विभागोंध्संस्थाओं द्वारा कृषि प्रदर्शनी, इंटीग्रेटेड फार्मिंग, ड्रोन के उपयोग, औद्यानिक क्षेत्र की उपलब्धियों, गोवंश संरक्षण, रेशम उद्योग की प्रगति, एग्रो फॉरेस्ट्री, फूलों की खेती, कृषि उद्यमिता, कृषि विविधीकरण, एग्री स्टार्टअप, डिजिटल एग्रीकल्चर जैसे विषयों पर चर्चा–विमर्श, विशेषज्ञों के व्याख्यान, प्रदर्शनियां आदि आयोजित की जाएंगी।

टीएमसी के लिए कोई विशेष ट्रेन नहीं, पार्टी को करनी पड़ी दिल्ली विरोध प्रदर्शन के लिए बसों की व्यवस्था

पूर्वी रेलवे ने 2–3 अक्टूबर के विरोध कार्यक्रम के लिए अपने समर्थकों को हावड़ा से दिल्ली ले जाने के लिए विशेष ट्रेन चलाने के तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अनुरोध को शुक्रवार को ठुकरा दिया। 2 और 3 अक्टूबर को पार्टी के निर्धारित विरोध कार्यक्रम के लिए दिल्ली पहुंचने के लिए बड़ी संख्या में टीएमसी कार्यकर्ता और जॉब कार्ड धारक कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में एकत्र हुए। टीएमसी 2 और 3 अक्टूबर को मनरेगा के तहत पश्चिम बंगाल के लिए धन को कथित रूप से अवरुद्ध करने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ दिल्ली में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। पार्टी के मुताबिक, महिलाओं और बच्चों सहित जॉब कार्ड धारकों को दिल्ली ले जाने के लिए ट्रेन के डिब्बे बुक किए गए थे।

बीजेपी पर निशाना साधते हुए बोले राहुल गांधी

मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार का सेंटर, जातिगत जनगणना की भी मांग की

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को चुनावी राज्य मध्य प्रदेश के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने जन आक्रोश यात्रा को संबोधित किया। राहुल ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार किसानों को उनकी फसलों के लिए सही कीमत नहीं दे रही है। शाजापुर में भाजपा पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश हिंदूस्तान में भ्रष्टाचार का सेंटर है। जितना भ्रष्टाचार भाजपा के लोगों ने यहां किया है उतना पूरे देश में नहीं किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के फंड, मिड डे मील के फंड चोरी किए। महाकाल कॉरिडोर में भाजपा ने पैसा चोरी किया। राहुल गांधी ने फिर से जातीय जनगणना की मांग की। उन्होंने कहा कि कानून ै वाले लोग बनाते हैं, कानून अफसर बनाते हैं, कानून भाजपा के सांसद और विधायक नहीं बनाते। एक और सच्चाई यह है कि हिंदूस्तान को 90 अफसर चलाते हैं... मैं हिंदूस्तान के सभी व्ठब् से पूछता हूं नरेंद्र मोदी कहते हैं कि सरकार मेंआपकी भागीदारी है.. आप बताइए इन 90 अफसरों में व्ठब् कितने हैं? उन्होंने कहा कि जब मैं सवाल पूछता हूं कि देश में कितने दलित, ओबीसी, आदिवासी, जनरल हैं तो इसका जवाब कोई नहीं दे पाता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि केंद्र में सरकार बनने के बाद हम सबसे पहला काम जातीय जनगणना कराएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि अब वह समय आ गया है कि हमें हिंदूस्तान का एक्स–रे करना है। यह पता लगाना है कि अगर 90 अफसर देश को चला रहे हैं और उसमें व्ठब् की भागीदारी 5ः है तो क्या व्ठब् की आबादी 5ः है?... देश में एक ही मुद्दा है जातिगत जनगणना। व्ठब् कितने हैं और उनकी भागीदारी कितनी होनी चाहिए, यही सबसे बड़ा सवाल है। राहुल गांधी ने कहा, श्छत्तीसगढ़ के किसानों से जाकर पूछो कि उन्हें धान की फसल का कितना पैसा मिलता है।

अब्दुल बारी सिद्दीकी के बयान पर बीजेपी हुई हमलावर, कहा– यह उनकी छोटी मानसिकता की पहचान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा कि लिपस्टिक और बॉब–कट हेयर स्टाइल वाली महिलाएं महिला आरक्षण विधेयक के नाम पर आगे आएंगी। इससे राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। भाजपा सिद्दीकी पर जमकर निशाना साध रही है। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि यह उनकी छोटी मानसिकता की पहचान है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतकर संसद में आने वाली महिलाएं न केवल महिलाओं के अधिकारों बल्कि जनता और हर आम आदमी के अधिकारों को भी आगे रखती हैं। गाड़ी के दो पहियों की तरह ही संसद और विधानसभा में महिलाएं और पुरुष मिलकर कानून बनाने का काम करेंगे। वहीं, भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह सिर्फ राजद का बयान और विचार प्रक्रिया नहीं है। यह आज पूरे **INDIA** गठबंधन की विचार प्रक्रिया है। जब हम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिला आरक्षण की संवैधानिक गारंटी पारित कर रहे हैं, तो इस देश की 50 प्रतिशत आबादी को प्छक्प् गठबंधन द्वारा अपमानित और अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्छक्प् गठबंधन या कांग्रेस पार्टी के किसी भी नेता ने इस बयान की निंदा नहीं की है, जिसका मतलब है कि वे इससे सहमत हैं। उन्होंने कहा कि संसद में हमने पहले भी **SP** और राजद को महिला आरक्षण बिल की प्रतियां फाड़ते देखा है। कांग्रेस पार्टी हमेशा ऐसी पार्टियों के साथ खड़ी रही है क्योंकि ये महिला विरोधी हैं। कांग्रेस पार्टी में ही कांग्रेसी महिलाएं असुरक्षित हैं। बीजेपी सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि यह उनकी संकीर्ण मानसिकता को दर्शाता है। महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। ऐसे बयान देना उनकी असभ्य मानसिकता को दर्शाता है। वे चाहते हैं कि महिलाएं केवल घरेलू काम करें, बाहरी दुनिया के लिए योगदान न दें। सिद्दीकी का यह बयान तब आया जब वह बिहार के मुजफ्फरपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कुदरहा कलवारी और बहादुरपुर मण्डल प्रवास के दौरान जिलाध्यक्ष का ऐतिहासिक स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। शनिवार को कुदरहा कलवारी और बहादुरपुर मण्डल प्रवास के दौरान जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र का जगह जगह हजारों की संख्या में भाजपा के युवा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ हार फूल माला पहनाकर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का ऐतिहासिक स्वागत किया। इस दौरान मंडलों में कार्यकर्ताओ के साथ परिचात्मक बैठके भी हुई। सभी प्रमुख नेताओं ने दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्शयक्रिरम संयोजक अमृत कुमार वर्मा ने बताया की जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र का नेवारी में अभय शुक्ल, बारीघाट विद्यालय के अध्यापको द्वारा, चौबाह में रमेश यादव व विवेक श्रीवास्तव, लालगंज में अमृत वर्मा व बब्लू कसौधन, डूडी में भक्तु प्रधान, कुदरहा में ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे, गायघाट में पिन्टू तिवारी, पाऊ में अभिषेक पाण्डेय, कलवारी में प्रेम प्रकाश चौधरी, एक्सडा में शैलेन्द्र दुबे, पोखन्नी में अजय श्रीवास्तव नागेन्द्र सिंह, नगर बाज़ार में दिनेश प्रताप सिंह द्वारा स्वागत किया गया। वही कुदरहा ब्लाक में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत महिलाओ को जिलाध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख द्वारा किट वितरित किया गया। गायघाट शिशु मन्दिर में शिशु भारती चुनाव में चुने गए पदाधिकारियों के जिलाध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख ने कर्तब्य एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। स्वागत से अभिभूत होकर जिलाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करूंगा। कार्यकर्ताओं का विश्वास को कभी टूटने नहीं दूंगा। साथ ही पार्टी जिले में जीत का पुराना इतिहास दोहराएगी। 2024 एक बार पुनः नरेन्द्र मोदी जी को देश का प्रधानमंत्री बनता हुआ देश की जनता देखना चाहती है। इस मौके पर पूर्व विधायक रवि सोनकर, भानु मिश्र , ब्रह्मदेव यादव, अभिषेक दुबे, सियाराम वर्मा, सत्येन्द्र पाण्डेय,

पाण्डेय, प्रधान संघ अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी, अश्वनी श्रीवास्तव, दिव्यांशु दुबे, मनोज पासवान, पंकज शुक्ल, मनीष त्रिपाठी, आलोक त्रिपाठी, प्रेम प्रकाश चौधरी, प्रेम प्रकाश चौधरी, .ष्ण मुरारी उपाध्याय, नागेंद्र बहादुर सिंह, अभिषेक पाण्डेय, विश्वजीत पाल, डब्लू तिवारी आदि मौजूद रहे। शनिवार को कुदरहा कलवारी और बहादुरपुर मण्डल प्रवास के दौरान जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र का जगह जगह हजारों की संख्या में भाजपा के युवा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ हार फूल माला पहनाकर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का ऐतिहासिक स्वागत किया। इस दौरान मंडलों में कार्यकर्ताओ के साथ परिचात्मक बैठके भी हुई। सभी प्रमुख नेताओं ने दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्शयक्रिरम संयोजक अमृत कुमार वर्मा ने बताया की जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र का नेवारी में अभय शुक्ल, बारीघाट विद्यालय के अध्यापको द्वारा, चौबाह में रमेश यादव व विवेक श्रीवास्तव, लालगंज में अमृत वर्मा व बब्लू कसौधन, डूडी में भक्तु प्रधान, कुदरहा में ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे, गायघाट में पिन्टू तिवारी,पाऊ में अभिषेक पाण्डेय, कलवारी में प्रेम प्रकाश चौधरी, एक्सडा में शैलेन्द्र दुबे, पोखन्नी में अजय श्रीवास्तव नागेन्द्र सिंह, नगर बाज़ार में दिनेश प्रताप सिंह द्वारा स्वागत किया गया। वही कुदरहा ब्लाक में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत महिलाओ को जिलाध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख द्वारा किट वितरित किया गया। गायघाट शिशु मन्दिर में शिशु भारती चुनाव में चुने गए पदाधिकारियों के जिलाध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख ने कर्तब्य एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। स्वागत से अभिभूत होकर जिलाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करूंगा। कार्यकर्ताओं का विश्वास को कभी टूटने नहीं दूंगा। साथ ही पार्टी जिले में जीत का पुराना इतिहास दोहराएगी। 2024 एक बार पुनः नरेन्द्र मोदी जी को देश का प्रधानमंत्री बनता हुआ देश की जनता देखना चाहती है। इस मौके पर पूर्व विधायक रवि सोनकर, भानु मिश्र, ब्रह्मदेव यादव, अभिषेक दुबे, सियाराम वर्मा, सत्येन्द्र पाण्डेय, पाण्डेय, प्रधान संघ अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी, अश्वनी श्रीवास्तव, दिव्यांशु दुबे, मनोज पासवान, पंकज शुक्ल, मनीष त्रिपाठी, आलोक त्रिपाठी, प्रेम प्रकाश चौधरी, प्रेम प्रकाश चौधरी, .ष्ण मुरारी उपाध्याय, नागेंद्र बहादुर सिंह, अभिषेक पाण्डेय, विश्वजीत पाल, डब्लू तिवारी आदि मौजूद रहे। शनिवार को कुदरहा कलवारी और बहादुरपुर मण्डल प्रवास के दौरान जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र का जगह जगह हजारों की संख्या में भाजपा के युवा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ हार फूल माला पहनाकर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का ऐतिहासिक स्वागत किया। इस दौरान मंडलों में कार्यकर्ताओ के साथ परिचात्मक बैठके भी हुई। सभी प्रमुख नेताओं ने दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्शयक्रिरम संयोजक अमृत कुमार वर्मा ने बताया की जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र का नेवारी में अभय शुक्ल, बारीघाट विद्यालय के अध्यापको द्वारा, चौबाह में रमेश यादव व विवेक श्रीवास्तव, लालगंज में अमृत वर्मा व बब्लू कसौधन, डूडी में भक्तु प्रधान, कुदरहा में ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे, गायघाट में पिन्टू तिवारी,पाऊ में अभिषेक पाण्डेय, कलवारी में प्रेम प्रकाश चौधरी, एक्सडा में शैलेन्द्र दुबे, पोखन्नी में अजय श्रीवास्तव नागेन्द्र सिंह, नगर बाज़ार में दिनेश प्रताप सिंह द्वारा स्वागत किया गया। वही कुदरहा ब्लाक में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत महिलाओ को जिलाध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख द्वारा किट वितरित किया गया। गायघाट शिशु मन्दिर में शिशु भारती चुनाव में चुने गए पदाधिकारियों के जिलाध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख ने कर्तब्य एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। स्वागत से अभिभूत होकर जिलाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करूंगा। कार्यकर्ताओं का विश्वास को कभी टूटने नहीं दूंगा। साथ ही पार्टी जिले में जीत का पुराना इतिहास दोहराएगी। 2024 एक बार पुनः नरेन्द्र मोदी जी को देश का प्रधानमंत्री बनता हुआ देश की जनता देखना चाहती है। इस मौके पर पूर्व विधायक रवि सोनकर, भानु मिश्र , ब्रह्मदेव यादव, अभिषेक दुबे, सियाराम वर्मा, सत्येन्द्र पाण्डेय, पाण्डेय, प्रधान संघ अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी, अश्वनी श्रीवास्तव, दिव्यांशु दुबे, मनोज पासवान, पंकज शुक्ल, मनीष त्रिपाठी, आलोक त्रिपाठी, प्रेम प्रकाश चौधरी, प्रेम प्रकाश चौधरी, .ष्ण मुरारी उपाध्याय, नागेंद्र बहादुर सिंह, अभिषेक पाण्डेय, विश्वजीत पाल, डब्लू तिवारी आदि मौजूद रहे।

बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल का सांगठनिक विस्तार, पदाधिकारी घोषित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। शनिवार को बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल की बैठक मालवीय रोड स्थित कार्यालय पर जिलाध्यक्ष आनन्द राजपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल और अन्य पदाधिकारियों से विचार विमर्श कर सांगठनिक विस्तार किया गया। सर्व सम्मत से पवन चौधरी को प्रतिनिधि मण्डल का बस्ती सदर विधानसभाध्यक्ष, अविनाश श्रीवास्तव महामंत्री, राजन कुमार निराला को विधानसभा उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। बैठक में जिलाध्यक्ष आनन्द राजपाल और महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल ने कहा कि व्यापारी घोर संकट से गुजर रहे हैं। ऐसे में एकजुटता और निर्णायक संघर्ष से समस्याओं का हल निकलेगा। सांगठनिक विस्तार की कड़ी में आत्मा प्रसाद पाठक को हर्रैया बाजार का अध्यक्ष, सन्तोष कुमार गुप्ता महामंत्री, विशेषरगंज बाजार से अनिल कुमार सोनी अध्यक्ष, दीप चन्द कसौधन महामंत्री, विक्रमजोत बाजार से राजेश सोनी अध्यक्ष, प्रदीप कुमार गुप्ता महामंत्री, जिलेबीगंज बाजार से विजय कुमार श्रीवास्तव अध्यक्ष, मनोज गुप्ता महामंत्री और हिमांशु को रेलवे स्टेशन सेक्टर अध्यक्ष, अवधेश कुमार मिश्र को व्यापार मण्डल संरक्षक, देईडीहा के लिये डा. जे.एल. विश्वकर्मा अध्यक्ष, शिवलाल जायसवाल को आटो मोबाइल एसोशिएसन अध्यक्ष, प्रेमचन्द्र कसौधन हर्रैया विधानसभाध्यक्ष, अमित शुक्ल को बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल महामंत्री नामित किया गया। बैठक में सुनील गुप्ता, अदालत प्रसाद, धर्मेन्द्र चौरसिया, तमसीर अहमद, अजय चौधरी, लाला साहू, नीरज गुप्ता, लालजी सिंह, प्रहलाद मोदी, ओम प्रकाश चौधरी आदि उपस्थित रहे।

सी0एम0 डैशबोर्ड पर विवेचना निस्तारण में प्रदेश में पहली बार प्रथम स्थान रहा बस्ती रेंज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती के पर्यवेक्षण में परिक्षेत्र के जनपदों में लम्बित अभियोगों की विवेचना का निस्तारण समय–समय पर अभियान चलाकर नियमानुसार निस्तारण कराया गया। विवेचना लम्बित रहने से आम जनमानस मे पुलिस के प्रति विश्वसनीयता कम होती थी जिससे पीड़ित व्यक्ति को न्याय पाने में अनावश्यक रूप से अत्याधिक विलम्ब होता था। जिससे उच्चाधिकारीयों के पास बार–बार शिकायतें प्राप्त हो रही थी, परन्तु विवेचना निस्तारण हो जाने से शिकायतकर्ता में काफी कमी हुयी है। विवेचना निस्तारण के उपरान्त बस्ती परिक्षेत्र बस्ती प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विगत वर्ष 2022 में 18 रेंजो में बस्ती रेंज 12 वें स्थान पर रहा, जिस पर आम जनमानस की शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुये पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशन व कुशल पर्यवेक्षण में माह सितम्बर 2023 में विवेचना निस्तारण कराते हुये प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया, जिस पर पुलिस महानिरीक्षक बस्ती द्वारा परिक्षेत्र के जनपदों के पुलिस अधीक्षकों की भूरि–भूरि प्रशंसा की गयी। परिक्षेत्रीय जनपदों के पुलिस अधीक्षकों को यह निर्देश दिया गया कि किसी भी दशा में 06 माह से अधिक विवेचना लम्बित न रहे उन्हे शीघ्र निस्तारण करा दिया जाय। यह भी निर्देशित किया गया कि भविष्य मे कोई भी विवेचना अनावश्यक लम्बित न रखा जाय।

पुलिस अधीक्षक ने समस्त थाना प्रभारी व कार्यालय प्रभारी के साथ अपराध गोष्ठी का किया आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधीक्षक बस्ती गोपाल कृष्ण चौधरी द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक व समस्त क्षेत्राधिकारी,

थाना प्रभारी व कार्यालय प्रभारी के साथ अपराध गोष्ठी की गयी गोष्ठी के दौरान पुरस्कार घोषित अपराधी जिनकी गिरतारी अभी तक शेष होने कारण की जानकारी ली गयी, तथा यथा सिघ्र गिरतारी हेतु निर्देशित किया गया। छः माह से अधिक समय से लंबित अभियोग के कारणों के संबंध में जानकारी की गयी तथा विवेचना पूर्ण करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया तथा एसआर केसेज के सम्बंध में जानकारी ली गयी।

रोडवेज़ कर्मचारी संयुक्तपरिषद केन्द्रीय प्रबंध समिति के बैठक में नवनिर्वचित प्रतिनिधि शामिल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

लखनऊ। रोडवेज़ कर्मचारी संयुक्त परिषद, उ0प्र0 की केन्द्रीय प्रबंध समिति की, प्रदेश भर में स्थापित 233 प्राथमिक इकाईयों व 20 क्षेत्रीय इकाईयों तथा 02 विशिष्ट इकाईयों के वार्षिक चुनाव सम्पन्न होने के उपरान्त केन्द्रीय प्रबंध समिति/कार्यकारिणी के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों ने चारबाग बस स्टेशन, लखनऊ, पर पूर्व निर्धारित बैठक/सभा का आयोजन दिनांक 29–09–2023 किया गया। जिसमें प्रदेश भर से आये प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सभा में प्रतिनिधियों द्वारा परिषद के केन्द्रीय/प्रान्तीय पदाधिकारियों का चुनाव, मनोज कुमार मिश्र, (अध्यक्ष, उ0प्र0 राज्य निगम कर्मचारी महासंघ) चुनाव अधिकारी की देख–रेख में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर निगम महासंघ के महासचिव घनश्यान यादव भी चुनाव अधिकारी के सहयोगी के रूप में उपस्थित थे। देर रात तक चली इस चुनावी कार्यवाही में गिरिजा शंकर तिवारी को पहली बार प्रान्तीय अध्यक्ष तथा गिरीश चन्द्र मिश्र को 11वीं बार प्रान्तीय महामंत्री पद पर सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित किया गया।जानकारी देते हुए चुनाव अधिकारी मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि इस चुनाव में अध्यक्ष व महामंत्री के साथ ही रविन्द्र कुमार, (बरेली) वरिष्ठ उपाध्यक्ष, चन्द्र भान सिंह (मुरादाबाद), गुलजार अहमद (गाजियाबाद), महेश कुमार राय (गोरखपुर) व सुरेश चन्द्र पाण्डेय (प्रयागराज) उपाध्यक्ष, संजय कुमार राणा (मेरठ) अपर महामंत्री, चन्द्र हंस (आगरा), सुरेश चन्द्र मिश्र (इटावा), जशवंत सिंह (आजमगढ़) व सतीश कुमार (निगम मुख्यालय), उपमहामंत्री, बी0 के0 शुक्ल (लखनऊ) कोषाध्यक्ष, अरविन्द कुमार कुरील (कानपुर), संगठन मंत्री तथा रवि प्रताप मिश्र (देवीपाटन) प्रचार व सांस्‍तिक मंत्री एवं 42 सदस्य कार्यकारिणी भी सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित हुए। रोडवेज परिषद के महामंत्री गिरीश चन्द्र मिश्र ने बताया कि यह सभा रात 08:00 बजे के बाद तक चली जिसमें चुनाव के पश्चात् प्रमुख कर्मचारी समस्याओं यथा– बकाया महंगाई भत्ता का भुगतान, संविदा व आउटसोर्स कर्मियों के पारिश्रमिक में वृद्धि एवं परिषद के साथ 26 जुलाई 2023 को प्रबन्ध निदेशक महोदय, परिवहन निगम की अध्यक्षता में सम्पन्न वार्ता में 19–सूत्रीय मांगों पर बनी सहमति/निर्णय के क्रियान्वयन में हो रहे विलम्ब आदि की स्थिति पर चर्चा हुई। बैठक में निगम में अनुबन्धित बसों पर निगम के परिचालक के स्थान पर वाहन स्वामी द्वारा ही परिचालक उपलब्ध कराने के निगम मे विचाराधीन निर्णय पर गम्भीर असंतोष व्यक्त किया गया और यह निर्णय लिया गया कि इन प्रमुख समस्याओं के समाधान हेतु संगठन स्तर से आवश्यक कार्यवाही की जाय तथा यथावश्यकता नवनिर्वाचित केन्द्रीय प्रबन्ध समिति की बैठक शीघ्र बुलाकर मांगों की पूर्ति की स्थिति की समीक्षा कर यदि आवश्यक हो तो संघर्ष के कार्यक्रम पर भी निर्णय लिया जाय।श्री मिश्र ने बताया कि परिषद की केन्द्रीय कार्यकारिणी के चुनाव में प्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं में अतुलनीय ज़ोश व सक्रियता देखी गई और इस उत्साह के माहौल में यह चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

स्वच्छता के लिए आज दौड़ेगा गोण्डा, पहली बार हो रहा प्लॉग रन का आयोजन

डीएम नेहा शर्मा की पहल, स्वच्छता के महाभियान से जन–जन को जोड़ने के लिए उठाया कदम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोंडा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने जनपदवासियों को स्वच्छता के महाभियान से जोड़ने के लिए अनूठी पहल की है। पहली बार जनपद में स्वच्छता के लिए प्लॉग रन का आयोजन किया जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी के आवाह्न पर प्रस्तावित स्वच्छता के लिए श्रमदान और शासन की ओर से स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत एक तारीख एक घण्टा स्वच्छता के लिए कार्यक्रम के तहत इसका आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी निबन्धक, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन श्रीमती कंचन वर्मा मौजूद रहेंगी। गुरुनानक चौराहे से सुबह 9 बजे प्रस्तावित इस कार्यक्रम में जनपद के गणमान्य नागरिकों के साथ विद्यालयों के छात्र–छात्राओं सहित कई अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी भी प्रतिभाग करेंगे।

यह रहेगा प्लॉग रन का रूट

स्वच्छता प्लॉग रन कार्यक्रम की शुरुआत सुबह नौ बजे गुरुनानक चौराहे से की जाएगी। श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं की ओर से नुक्कड़ नाटक के साथ सांस्‍तिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। प्लॉग रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना दिया जाएगा। एलबीएस चौराहे से होती हुई यह प्लॉग रन गांधी पार्क तक जाएगी। यहां प्रतिभागियों द्वारा पार्क को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए श्रमदान किया जाएगा। टॉउन हॉल में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

जंगल में मिली महिला की अधजली लाश,सूचना पर पहुंची पुलिस

पुलिस को संदेह है कि महिला के साथ रेप के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से महिला के शव को लकड़ी आदि से जलाया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। खोडारे थाना क्षेत्र के बस्ती खास में जंगल से करीब 40 वर्षीय महिला की अधजली लाश मिली है, जिनकी शिनाख्त नहीं हो सकी है।घटनास्थल सड़क से करीब दो सौ मीटर अंदर जंगल में है। पुलिस को संदेह है कि महिला के साथ रेप के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से महिला के शव को लकड़ी आदि से जलाया गया है।गोण्डा जिले खोडारे थाना क्षेत्र के बस्ती जिले की सीमा पर स्थित बस्तीखास में लाश जंगल में अधजली अवस्था में महिला के शव पड़े होने की सूचना पर पहुंचे थाना खोड़ारे के इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी शनिवार शाम को हुई। इंस्पेक्टर के मुताबिक शव चेहरा अधिकांश जल चुका हैं।घटना की जानकारी तब हुई जब एक व्यक्ति ने थाने पर सूचना दी है।बताया गया कि डेड बॉडी मिली है चेहरा पूरा जला हुआ है।बताया गया कि महिला के शव को पहचान करने के लिए उसकी फोटो को वायरल किया जा रहा है। उसके आसपास का जो क्षेत्र बलरामपुर सिद्धार्थनगर बस्ती बॉर्डर एरिया पर पहचान करने की कोशिश की जा रही है।उन्होंने बताया कि मौके पर जली हुई अवस्था में महिला और के शव के शव मिले हैं।शव को लकड़ी व पाती से जलाया गया प्रतीत होता है।मौके पर लकड़ी के अंश जले हुए मिले हैं। महिला गुलाबी कलर की साड़ी पहने हुए थी। पुलिस ने शव सीलकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। मौके पर डॉग स्क्वाड और खोड़ारे पुलिस मौजूद रही।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति डी0एच0एस0 की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिला स्वास्थ्य समिति (डी0एच0एस0) एवं विषेश संचारी रोग, क्षय रोग की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी पवन अग्रवाल की अध्यक्षता में एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नरेन्द्र कुमार वाजपेयी की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने समस्त एम0ओ0आई0सी0 को निर्देश दिया कि सभी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को 01 घंटे का श्रम दान किया जाये तथा उसका फोटोग्राफ पोर्टल पर अपलोड करें। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल द्वारा पिछली बैठक के कार्यवृत्त की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी द्वारा ई–कवच पोर्टल पर आषा, बीपीएम, बीसीपीएम द्वारा डाटा फीडिंग की प्रगति की समीक्षा की गयी जिलाधिकारी ने समस्त डाटा समय से व सही डाटा अपलोड करने का निर्देष दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि सभी उपकेन्द्रो पर गर्भवती महिलाओ की डिलेवरी कराने तथा सही ढंग से काम न करने वाली आषाओं के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने समस्त एम0ओ0आई0सी0 को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित कर ले कि सभी का प्रसव अस्पताल में ही हो तथा उसकी शत–प्रतिशत फीडिंग कराये जाने का भी निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने समस्त एम0ओ0आई0सी0 को गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर रजिस्ट्रेशन कराने, उनका समय–समय पर टीकाकरण कराने तथा सुरक्षित प्रसव कराने के साथ पोर्टल पर फीडिंग कराने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही जननी सुरक्षा योजनान्तर्गत प्रसव पश्चात दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि लाभार्थी के खाते में समय से धनराशि प्रेषित करे। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि जिन गांवों में गर्भवती महिलाये/बच्चे टीकाकरण से छूट गये हैं छूटे हुए गांवो में टीकाकरण कराये जाने का निर्देश दिया गया तथा समस्त एम0ओ0आई0सी0 को निर्देश दिया कि टीकाकरण कराने के पश्चात उसका फीडिंग समय से कराये। जिलाधिकारी ने समस्त प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यों की समीक्षा सप्ताह में दो बार करने का निर्देष दिया। जिलाधिकारी ने समस्त प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी सी.एच.सी./पी.एच.सी. पर पीने के पानी की व्यवस्था होना चाहिए। शौचालय क्रियाशील हो जिससे आने वाले मरीजो को किसी प्रकार की परेशानी न हो। अति कुपोशित बच्चों को एन.आर.सी. में भर्ती कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा परिवार नियोजन, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना, टीकाकरण अभियान, पी0सी0पी0एन0डी0टी0, रोगी कल्याण समिति, अनटाइड फन्ड, हेल्थ वेलनेस सेन्टर, जननी सुरक्षा योजना आदि की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी बी0एल0ई0 के माध्यम से गोल्डेन कार्ड बनाने का शत–प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करे। जिलाधिकारी द्वारा जेई/एईएस की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि जनपद में जेई/एईएस, मलेरिया, डेंगू आदि से किसी की मृत्यु नहीं हुई है। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल द्वारा जनपद में पंजीकृत अल्ट्रासाउण्ड सेंटरों की संख्या के बारे में जानकारी चाही गयी डा0 संजय गुप्ता द्वारा जानकारी देने में असमर्थता व्यक्त की गयी इस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। पीसीपीएनडीटी की रिपोर्ट सही न होने के कारण संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही करने का निर्देष दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देष दिया कि बैठक की कार्यवृत्त में विभिन्न योजनाओं में कितने प्रतिषत की प्रगति हुई है उसे दर्षाया जाये। बीसीपीएम उसका बाजार कृश्ण मोहन पाण्डेय की डाटा फीडिंग की प्रगति ठीक न हाने पर वेतन रोकने का निर्देष दिया। इस बैठक में उपरोक्त के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/प्राचार्य मेडिकल कालेज डा0 ए0के0झा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 डी0के0चौधरी, जिला बेसिक षिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, डैम राकेष मिश्र, मानबहादुर, अमित शर्मा, समीर सिंह, डीएचसी सुरेन्द्र शुक्ला, प्रत्यूष दूबे, समस्त सीएचसी/पीएचसी के एम0ओ0आईसी0, बीपीएम, बीसीपीएम आदि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम के तहत संकल्प सप्ताह का किया शुभारम्भ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम के तहत संकल्प सप्ताह का षुभारम्भ भारत मण्डपम नई दिल्ली से वर्चुअल रूप से किया गया। जिसका लाइव प्रसारण अम्बेडकर सभागार में जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, अध्यक्ष नगर पालिका सिद्धार्थनगर गोविन्द माधव, जिलाधिकारी पवन अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार, सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि प्रिंस, विधान परिशद सदस्य प्रतिनिधि राजू सिंह की उपस्थिति में देखा गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आकांक्षी ब्लाक प्रोग्राम के तहत चैम्पियन्स आफ चेंज पोर्टल लांच किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनपद बरेली उ0प्र0, जम्मू और काष्मीर, मेघालय राज्य के ब्लाकों के लोगों से संवाद कर ब्लाक के विकास के लिए किये जा रहे कार्यो के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प सप्ताह के षुभारम्भ के अवसर पर सम्बोधित करते हुये कहा कि भारत सरकार प्राथमिकता के आधार पर आंकाक्षी जनपद एवं आकांक्षी ब्लाक तक जाकर देष के सीमावर्ती गांवों को अंतिम गांव न मानकर उनको प्रथम गांव मानते हुये कार्य कर रही है। 2047 तक भारत विकसित राश्ट्र हो जिसके लिए हमें संकल्प लेकर देष के आकांक्षी जनपद, आकांक्षी ब्लाक एवं आकांक्षी गांव को विकसित करना चाहिए। जिससे हमारा देष संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर होगा। आकांक्षी जनपद प्रोग्राम के तहत देष के 112 जिलों के 25 करोड़ से ज्यादा लोगों का जीवन बदल दिया है उसी के आधार पर आकांक्षी ब्लाक प्रोग्राम के तहत ब्लाकों तथा गांवों को विकसित करना है। जनपद से लेकर ब्लाक तथा गांव का सर्वागींण विकास जरूरी है। हर विभाग के अधिकारी अपने जनपद के कुछ ब्लाको को चुन कर वहां पर विभिन्न पैरामीटर पर विकास के लिए कार्य करके उनको विकसित करें। इसके बारे में जनमानस को भी जागरूक करें, तो यह सभी ब्लाक नीति आयोग का हिस्सा नहीं बनेंगे। सभी राज्य सरकारें भी इस अभियान के सफलता के लिए निरन्तर कार्य कर रहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम के तहत संकल्प सप्ताह के षुभारम्भ का लाइव प्रसारण जनपद के सभी ब्लाको एवं न्याय पंचायतों में आयोजित किया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेषक डीआरडीए नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी गोपाल प्रसाद कुषवाहा, डीसीएनआरएलएम योगेन्द्र लाल भारती, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, उप कृशि निदेषक अरविन्द कुमार विष्वकर्मा, जिला कृशि अधिकारी मो0 मुजम्मिल, जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, लीड बैंक अधिकारी रवि कुमार सिन्हा, अधि0 अभि0 पीडब्लूडी जितेन्द्र कुमार, अधि0 अभि0 ड्रेनेज खण्ड आर0.के0 नेहरा, समस्त खण्ड विकास अधिकारी(खेसरहा को छोड़कर) व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी आदि उपस्थित थे।

सेवा पखवाड़ा में भाजपा पदाधिकारियों ने की साफ–सफाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी सिद्धार्थनगर

द्वारा आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को चिल्हिया मंडल में सांसद जगदंबिका पाल के नेतृत्व में मंडल अध्यक्ष रमेश मणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत महला, मुडिला खुर्द तथा गायघाट में चौपाल एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल के प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल रहे। चौपाल के माध्यम से केंद्र तथा प्रदेश सरकार की उपलब्धियां को बताया गया तथा जगह–जगह झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही मंडल के कार्यकर्ताओं ने घर–घर संपर्क भी किया। इस अवसर पर पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कौशलेंद्र त्रिपाठी, प्रधान संघ अध्यक्ष गंगा मिश्रा, मंडल महामंत्री पद्माकर शुक्ला, संजय कुमार दुबे, अखिलेश तिवारी, सांसद प्रभारी सूर्य प्रकाश पांडे, मनोज मिश्रा, मुड़ीला खुर्द के प्रधान अवनेंद्र चौधरी, मनोज सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष राम शंकर यादव, बड़गो प्रधान, नीलू ओझा, मुन्ना लाल गौण सहित कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा को लेकर बैठक हुआ संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका,सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत उसका बाजार के सभागार

में शनिवार को स्वच्छता पखवाड़ा को लेकर बैठक किया गया 1 अक्टूबर को सभी वार्डो में स्वच्छता अभियान 1 घंटे चलाए जाएंगे । नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि हेमंत कुमार जायसवाल ने बताया कि इस मिशन का उद्देश्य खुले में शौच से मुक्ति और सार्वभौमिक स्वच्छता कवरेज प्रदान करना भी रहा है. स्वच्छ भारत अभियान का मकसद घरेलू कचरे, प्लास्टिक वेस्ट, इंडस्ट्रियल वेस्ट, मेडिकल कचरे, प्रदूषण और अन्य सभी तरह के कूड़े से से देश को मुक्त बनाना है. अगर हम कचरा केवल डस्टबिन में फेंके, यहां–वहां थूकें नहीं, प्लास्टिक की थैलियों की कम से कम उपयोग करें, सामान लेने जाएं तो साथ में बैग लेकर जाएं और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें, तो बहुत सारा प्रदूषण कम हो सकता है. जहां तक संभव हो, हम अगर पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें तो इससे ईंधन की बचत के साथ–साथ हम प्रदूषण को भी रोक सकते हैं। अधिशाषी अधिकारी अभिनव श्रीवास्तव ने बताया कि सभी वार्डो में अभियान चलाया जायेगा जिसमे सभी लोग मिल जुलकर स्वच्छता अभियान में सहयोग करे और वार्ड को स्वच्छ बनाया जा सके। इस बैठक में सभासद अभिषेक त्रिपाठी, उपेंद्र दूबे, अंगद, सूरज मोदनवाल,मयंक पांडेय, सोमनाथ मिश्रा, समीर कश्यप आदि रहे मौजूद।

विशेष श्रमदान अभियान को लेकर ईओ ने सभासदों को दिलाई शपथ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ ईओ नवीन कुमार सिंह ने नगर पंचायत बोर्ड के सभासदों को स्वच्छता की शपथ दिलाई है।

ईओ नवीन कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के श्कचरा मुक्त भारतश की परिकल्पना को साकार रूप देने के क्रम में बोर्ड के अध्यक्ष व सभासदों की उपस्थिति में आगामी 01 अक्टूबर को प्रत्येक नगरवासी 01 घंटे के स्वच्छता श्रमदान में सहभागिता करेंगे। यह सामूहिक प्रयास राष्ट्रपिता बापू की जयंती की पूर्व संध्या पर स्वच्छांजलि होगी। उन्होंने नगर वासियों से अपील की है

कि सभी नगरवासी अपने आस–पास के परिवेश में साफ–सफाई सुनिश्चित करने के लिए श्रमदान अवश्य करे। विदित हो 01 अक्टूबर को 01 घंटे के स्वच्छता श्रमदान के लिए सभी नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान सभासद निर्मला देवी, मनोज कुमार, प्रियंका श्रीवास्तव, मंजू मोदनवाल, शिवशंकर अग्रहरी, मीरा देवी, दिनेश कुमार, सरोज कन्नौजिया, अनूप कसौधन, अशरफ अंसारी, सुमन गौड़, सतीश चंद्र वर्मा, शिव प्रकाश, संध्या देवी समेत नगर पंचायत के लिपिक राजेश कुमार त्रिपाठी, कमलेश कुमार गुप्ता, बीडी कसौधन, मलखान, अक्षय कसौधन, सूरज निगम आदि मौजूद रहे।

किसान यूनियन ने दान की रैबिज डिस्पोजल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका,सिद्धार्थनगर। कस्बा में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

उसका बाजार पर शनिवार को किसान यूनियन टिकैत ने रैबिज डिस्पोजल दान दिया है। किसान यूनियन के लोगो का कहना है कि कई दिनों से शिकायत मिल रही थी की इस अस्पताल पर रैबिज का वैक्सीन तो है लेकिन रैबिज का डिस्पोजल नही जिससे लोगो को टीका नही लग पा रहा है। क्षेत्र के गरीब परिवार के लोग कुत्ता काटने पर अस्पताल तो आते थे, लेकिन डिस्पोज के अभाव में कुत्ता काटने का इंजेक्शन नही लग पाता था। कई लोगो का आरोप है की टीका भी नही लगते है। इस समस्या को किसान यूनियन ने गंभीरता से लिया और 100 डिस्पोज रैबिज का इंजेक्शन लगाने के लिए दान देकर मानवता की मिशाल पेश की। डिस्पोज दान देने के बाद ही तुरंत एक बच्ची आई जिसे कुत्ता ने काट लिया था और उसको रैबिज का टीका लगाया गया। किसान यूनियन टिकैत के जिला संरक्षक कपिल त्रिपाठी ने बताया कि क्षेत्र में अगर किसी को भी कुत्ता काटता है तो वे उसका बाजार सीएचसी पर आकर टीका लगवा सकते है। साथ में जिले में नवागत सीएमओ का आगमन हो रहा है और वे सभी सीएचसी पीएचसी पर रैबिज टीका उपलब्ध कराए जिससे लोगो को इधर उधर भटकना न पड़े। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार, समाजसेवी नीलांबर मालवी ,शंभू प्रसाद साहनी आदि रहे।

पेड़ गिरने से विद्युत हुई बाधित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका,सिद्धार्थनगर। कस्बे के तेलडियहवा में शनिवार को तेज आए हवा से पेड़ जड़ से उखड़ गया और तार पर जा गिरा जिससे विद्युत पूरी तरह से ठप हो गया। पेड़ गिरने से किसी भी प्रकार की हानि नहीं हुई है। इस संबंध में अवर अभियंता राजेश कुमार का कहना है कि पेड़ गिरने से विद्युत ठप हो गई है सही समय रहते हुए विद्युत को बंद किया गया पेड़ को कटाया जा रहा है बहुत ही जल्द विद्युत बहाल किया जाएगा।

सिंचाई व्यवस्था को लेकर चालू कराई पानी की सप्लाई

चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल व सभासद दिनेश कुमार की पहल पर नहर में चालू हुई पानी की सप्लाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत सीमा विस्तारित क्षेत्र के किसानों की सिंचाई संबंधी समस्याओं को देखते हुए वार्ड संख्या 7, सुभाष नगर सभासद दिनेश कुमार ने चैयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल के साथ सिंचाई विभाग के उच्च अधिकारियों से वार्ता की है। उच्च अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं पर पहल करते हुए नरायनपुर नहर में पानी सप्लाई हेतु संबंधित को निर्देशित किया। उक्त की जानकारी देते हुए सभासद दिनेश कुमार ने बताया, कि वार्ड के नारायणपुर कुला में पानी नही आ रहा था, जबकि किसानों को पानी की शख्त आवश्यकता है।चौयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल व किसानों के साथ बाणगंगा बैराज जाकर नहर खुलवाया, जिससे किसानों के फसलों का नुकसान न हो सके। इस दौरान सिंचाई विभाग के कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

कलाकारों की यूनियन स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड की भी मांगें लगभग वही हैं जो लेखकों की हैं स्ट्रीमरों को होने वाली आमदनी में हिस्सा और मूल वेतन में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी। स्टूडियो इन सभी मांगों को खारिज कर चुके हैं। आने वाले कई हफ्तों तक इस पर बातचीत होगी और फिर समझौते की प्रक्रिया चलेगी। इसका मतलब है कि चीजों के सामान्य होते–...

हॉलीवुड में क्या अब शुरू होगा काम?

पूरे 146 दिन बाद श्रुकावट के लिए खेद हैत्र का बोर्ड हॉलीवुड के सामने से हट गया है या करीब–करीब हट गया है। और हॉलीवुड दुबारा कामकाज शुरू करने के लिए तैयार है या करीब–करीब तैयार है। द राईटर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका, डब्लुजीए मनोरंजन क्षेत्र की बड़ी कंपनियों के साथ एक अंतरिम समझौते पर पहुंच गई है। एक नया कॉन्ट्रैक्ट तैयार हो रहा है, जिस पर दोनों पक्ष दस्तखत करेंगे। हालांकि हालात सामान्य होने में वक्त लगेगा मगर इस समझौते से एक साथ दो हड़तालों से जूझ रहे इस उद्योग को कुछ राहत मिलेगी। इसके पहले यह स्थिति आखिरी बार सन् 1988 में बनी थी जब डब्लुजीए ने 154 दिनों तक हड़ताल की थी। सप्ताहांत में चले बातचीत के लंबे दौर के बाद डब्लुजीए ने इतवार को एक ई–मेल भेजा, जिसमें कहा गया है श्हम अत्यंत गर्व के साथ कह सकते हैं कि यह समझौता असाधारण है– जिसके जरिए सभी क्षेत्रों में कार्यरत हमारे सदस्यों को बड़े लाभ और संरक्षण हासिल होगात्र। हालांकि इस श्असाधारण समझौतेत्र में क्या है इस बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है, सिवाय इसके कि लेखकों को कुछ लाभ होंगे। जिन लेखकों के शो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे, उन्हें बोनस मिलेगा। इसके साथ ही राइटर्स रूम में कर्मियों की न्यूनतम संख्या और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई के इस्तेमाल की शर्तें भी तय कर दी गईं हैं। लेखकों को डर है कि एआई जल्दी ही हिट स्क्रिप्टों का ढेर लगा देगा। एआई का मसला, लेखकों की हड़ताल के मुख्य कारणों में एक था और इसी मसले पर समझौता नहीं हो पा रहा था। कई घंटों तक इस बात पर चर्चा हुई कि किस प्रकार ऐसा समझौते तैयार किया जाए जो लेखकों और स्टूडियोज दोनों के लिए फायदेमंद हो। अब समझौते को राइटर्स गिल्ड के विभिन्न लीडरशिप बोर्ड अनुमोदित करेंगे। इसके बाद गिल्ड के करीब 11 हजार लेखक सदस्य वोट देंगे कि उन्हें यह मंजूर है या नहीं।

इस प्रक्रिया के शुरू हो जाने के कारण, गिल्ड ने अपने सदस्यों से कहा है कि वे धरना–प्रदर्शन बंद कर दें। हालांकि वे काम तभी शुरू करेंगे जब समझौता औपचारिक रूप से स्वीकृत हो जाएगा। यह हो जाने के बाद भी अधिकांश टीवी शोज और फिल्मों पर काम फिर से शुरू नहीं हो सकेगा क्योंकि कलाकार अब भी हड़ताल पर हैं। राइटर्स गिल्ड ने अपने सदस्यों से यह भी कहा है कि वे कलाकारों को समर्थन देना जारी रखें और मंगलवार को जब कलाकार धरना फिर शुरू करें तो उनके साथ खड़े हों।

कलाकारों की यूनियन स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड की भी मांगें लगभग वही हैं जो लेखकों की हैंदृ स्ट्रीमरों को होने वाली आमदनी में हिस्सा और मूल वेतन में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी। स्टूडियो इन सभी मांगों को खारिज कर चुके हैं। आने वाले कई हफ्तों तक इस पर बातचीत होगी और फिर समझौते की प्रक्रिया चलेगी। इसका मतलब है कि चीजों के सामान्य होते–होते नवम्बर का अंत आ जाएगा। परंतु देर रात और दिन में होने वाले टॉक शोज के राइटर्स रूम जरूर जल्द ही काम करना शुरू कर देंगे, जिससे भंवर में फंसे उस उद्योग के कम से कम एक तबके को तो राहत मिलेगी।

आमतौर पर कलाकार और स्टूडियो नवम्बर से छुट्टियां मनाने लगते हैं और फिर नए साल में काम शुरू करते हैं। अब चूंकि 2023 में फिल्में और टीवी शोज नहीं बन सके हैं इसलिए 2024 के नीरस रहने की पूरी सम्भावना है। अगर स्टूडियोज ने रात–दिन काम नहीं किया तो अगली गर्मियां काफी बोरिंग होने वाली हैं। या फिर हमें श्कीपिंग अप विद द कार्दाशियांत्र जैसे रियलिटी शो देखना शुरू करना पड़ेगा।

भारत की बढ़ती चुनौतियां

यह विस्फोटक खुलासा हुआ है कि जून में कनाडा में खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने अपने देश में मौजूद खालिस्तानी कार्यकर्ताओं से संपर्क कर उन्हें आगाह किया था कि उनकी जान खतरे में है। दो दिन के शुरुआती भ्रम के बाद यह बात साफ हो गई कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने भारत पर जो गंभीर आरोप लगाया, उसको पर पश्चिम के उनके खास सहयोगी देश उनसे सहमत थे। धीरे–धीरे यह बात साफ हो गई कि असल में जिन सूचनाओं के आधार पर उन्होंने भारत पर कनाडा की जमीन पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या का इल्जाम मढ़ा, वे उन्हें पांच देशों के गठबंधन फाइव आई (पांच नेत्र) की खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था के तहत प्राप्त हुई थी। उसके बाद यह विस्फोटक खुलासा हुआ कि जून में कनाडा में खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने अपने देश में मौजूद खालिस्तानी कार्यकर्ताओं से संपर्क कर उन्हें आगाह किया था कि उनकी जान खतरे में है। इस खबर का मतलब यह है कि एफबीआई इस नतीजे पर थी कि कोई विदेशी ताकत उन खालिस्तानी कार्यकर्ताओं को निशाना बना सकती है। इसका यह भी अर्थ है कि जिन उग्रवादियों की भारत को तलाश है, अमेरिका असल में उन्हें अपने यहां संरक्षण दे रहा है। जब ये सारी खबरें सुर्खियों में हैं, तो एक तीन साल पुरानी खबर भी चर्चा में आ गई है कि जर्मनी में तब एक भारतीय मूल के नागरिक पर भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के लिए खालिस्तान समर्थकों की जासूसी करने के आरोप में मुकदमा चलाया गया था। यानी रॉ की तरफ से पश्चिमी देशों में जासूसी का संदेह तब से वहां मौजूद था। हालांकि यह खबर भी कम परेशान करने वाली नहीं है कि कनाडा ने जिन सूचनाओं के आधार पर आरोप लगाया, उनमें वहां तैनात भारतीय राजनयिकों के बीच आपस में हुई बातचीत का ब्योरा भी है। जाहिर है, भारत के कथित सहयोगी देशों ने– जिनमें दो क्वैड समूह में भी शामिल हैं– भारतीय राजनयिकों की निजता को भंग किया। इन तमाम तथ्यों से भारतीय विदेश नीति के प्रबंधक अवश्य चिंतित हुए होंगे। इन खबरों ने भारत की पश्चिम के लगातार निकट जाने और उसके आधार पर चीन का मुकाबला करने की रणनीति के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। यह सचमुच गंभीर चुनौती है।

मजबूती का परिचय दें मोदी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा भी कि दुनिया अभी भी डबल स्टैंडर्ड यानी दोहरे मापदंड से चल रही है। जो देश प्रभावशाली हैं वे स्थिति में बदलाव का विरोध कर रहे हैं और ऐतिहासिक रूप से शक्तिशाली देश इन क्षमताओं का इस्तेमाल हथियारों की तरह कर रहे हैं। जयशंकर का इशारा निश्चित ही पश्चिमी देशों की ओर है, लेकिन अब भारत को इशारों में नहीं साफ–साफ अपनी बात वैश्विक मंच...

प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता में आने के साथ ही पुरानी सरकारों की अपनाई गई नीतियों और फैसलों को बदलने का काम किया, ताकि उनका नाम एक मजबूत प्रधानमंत्री के तौर पर दर्ज हो सके। भारत को पूरी तरह बदल देने के उनके जुनून ने बहुत से दीर्घकालिक नुकसान कर दिए हैं। लेकिन इस वक्त उनकी तथाकथित लोकप्रियता के फेर में इन नुकसानों का सही आकलन नहीं किया जा रहा है। विश्व में भारत की पहचान हमेशा से शांतिप्रिय देश के तौर पर रही। गांधीजी दुनिया में अहिंसा के पुजारी माने गए और नेहरूजी शांति दूत। भारत को विश्वगुरु और विश्वमित्र बनाने का कोई घोषित ऐलान पहले की सरकारों ने नहीं किया और दुनिया के मानचित्र में भारत का अनूठा, सम्मानजनक स्थान बना रहा। लेकिन मोदी सरकार के नौ सालों के कार्यकाल में विदेश नीति में अघोषित प्रयोग हुए और उसका नतीजा ये रहा कि पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में उतार–चढ़ाव आए ही, अब कनाडा के साथ रिश्ते दांव पर लग गए हैं। संबंधों में इस कड़वाहट के लिए जिम्मेदार कनाडा ही है, लेकिन सवाल मोदी सरकार पर भी उठेंगे कि आखिर उसने कनाडा की नीयत को पहचाना कैसे नहीं। क्यों खालिस्तान जैसा मुद्दा, जो भारत की अखंडता के लिए बड़ा खतरा है, वह फिर से जिंदा हो गया है। देश जानता है कि खालिस्तान आंदोलन ने किस तरह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी समेत कई बड़े राजनेताओं, अधिकारियों, और गणमान्य नागरिकों की शहादत ली। बड़ी मुश्किल से इस आग को शांत किया गया था, लेकिन अब इसकी लपटें कनाडा से उठती दिख रही हैं। याद करें कि जब 2020– 2021 में किसान आंदोलन चल रहा था, तब आंदोलनकारियों को खालिस्तानी कहकर अपमानित किया गया था। यह सब मोदी सरकार की नाक के नीचे होता रहा और प्रधानमंत्री मोदी से यह कहते नहीं बना कि देश में बंद किए जा चुके इस दुखदायी अध्याय को किसी भी कारण से फिर न खोला जाए। देश को जब भी जरूरत होती है प्रधानमंत्री चुप ही रहते हैं। अब भी कनाडा के साथ इतनी कड़वाहट बढ़ गई है और इस वजह से लाखों भारतीय जो इस समय पढ़ने, काम करने या अन्य वजहों से कनाडा में हैं, वे अपने भविष्य को लेकर सशंकित हो रहे हैं। भारत सरकार की ओर से एडवाइजरी जारी हो चुकी है। विदेश मंत्री इस मामले में लगातार बयान दे रहे हैं, लेकिन श्री मोदी की ओर से जो आश्वस्ति कनाडा में रहने वाले भारतीयों और यहां उनके परिजनों को मिलनी चाहिए, उसकी कमी कहीं न कहीं महसूस हो रही है। इस बीच कनाडा के साथ विवाद सुलझने की जगह और उलझता दिख रहा है, क्योंकि इसमें अब अमेरिका की राय भी सामने आ गई है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते जी–20 की बैठक से लौटने के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर एक गंभीर आरोप लगाया। कनाडाई नागरिक और भारत में आतंकी घोषित हरदीप सिंह निज्जर की जून में हुई हत्या के मामले में ट्रूडो ने कहा था कि निज्जर की हत्या के पीछे श्भारत सरकार के एजेंटश हो सकते हैं। ट्रूडो ने संसद में ये बड़ा आरोप लगाया और इसके पीछे सबूतों के होने का दावा भी किया। हालांकि वो सबूत अबतक सामने नहीं आए हैं। लेकिन इसके बाद से भारत और कनाडा के बीच संबंध एकदम से बिगड़ गए। अब हालात ऐसे हैं कि राजनयिकों को वापस बुलाया जा रहा है। भारत ने कनाडा के लोगों को वीजा देने पर रोक लगा दी है, वहीं कनाडा ने भारत आए कनाडाई नागरिकों के लिए नयी एडवायजरी जारी की है,जिसमें कहा गया है– श्कनाडा और भारत में हाल के घटनाक्रमों के संदर्भ में, विरोध प्रदर्शन के आह्वान और सोशल मीडिया पर कनाडा के प्रति कुछ नकारात्मक भावनाएं हैं। कृपया सतर्क रहें और सावधानी बरतें।श उधर निज्जर की हत्या के खिलाफ खालिस्तानी समर्थकों ने मंगलवार को कनाडा के टोरंटो, ओटावा और वैंकूवर में भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। खालिस्तान समर्थक संगठन – श्सिख फॉर जस्टिसश (एसएफजे) के सदस्यों के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों को नारे लगाते और खालिस्तानी झंडे लहराते देखा गया। इस बीच फाइनेंशियल टाइम्स में छपी एक खबर के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और अन्य पश्चिमी नेताओं ने जी–20 सम्मेलन में निज्जर हत्या के मामले को प्रधानमंत्री मोदी के सामने उठाया था। रिपोर्ट है कि उन नेताओं ने कहा था कि नयी दिल्ली से जुड़े एजेंट वैंकूवर में सिख अलगाववादी की हत्या में शामिल थे। यही बात ट्रूडो ने भी कही थी कि उन्होंने जी–20 के दौरान निज्जर की हत्या का मामला उठाते हुए भारत से कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन भारत ने उनकी बात का खंडन कर दिया था। खबरें ये भी हैं कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर इनपुट कनाडा के साथ साझा किए थे। इसके अलावा अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कनाडा के आरोपों की गहन जांच के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि हम कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की तरफ से संदर्भित आरोपों से चिंतित हैं। हम अपने कनाडाई सहयोगियों के साथ निकट संपर्क में हैं। अमेरिका ने यह भी कहा कि जांच आगे बढ़नी चाहिए और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया। अमेरिका जिस तरह का रुख इस समय दिखा रहा है वह उसके दोहरे मापदंडों को बताता है।

अगर वह राज्य का मंत्री भी है तब भी उसका दर्जा बहुत नीचे है। दूसरे उम्मीदवार के प्रति स्थानीय प्रशासन, पुलिस और चुनाव आयोग के अधिकारियों–कर्मचारियों का रवैया वही नहीं रहेगा, जो केंद्रीय मंत्री के प्रति होगा। कोई कुछ भी दावा करे लेकिन इससे स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की संभावना प्रभावित होती है। तभी दुनिया के कई देशों में आम चुनाव से पहले सरकार को हटा दिया जाता है ...

सांसदों को विधायकी लड़ाने पर सवाल

अजीत द्विवेदी

पहले भी ऐसा होता था लेकिन वह अपवाद था कि सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ाया जाए। अब भारतीय जनता पार्टी ने इस अपवाद को नियम बना दिया है। वह सभी राज्यों में सांसदों को विधानसभा के चुनाव लड़ाती है। यहां तक कि केंद्रीय मंत्री भी विधानसभा का चुनाव लड़ते हैं। अभी मध्य प्रदेश में भाजपा ने तीन केंद्रीय मंत्रियों– नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते को चुनाव मैदान में उतारा है। हैरानी नहीं होगी अगर चौथे मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी चुनाव में उतारा जाए। इससे पहले त्रिपुरा में केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक को चुनाव लड़ाया गया था। उससे भी पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक और बाबुल सुप्रियो को चुनाव लड़ाया था। हालांकि बाबुल सुप्रियो चुनाव हार गए थे।

अब कहा जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में भी कुछ केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा का चुनाव लड़ाएगी। केंद्र जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल दोनों के नाम की चर्चा है। तेलंगाना में भाजपा के चार सांसद हैं, जिनमें से एक जी किशन रेड्डी केंद्र सरकार में मंत्री हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा ने केंद्रीय मंत्री सहित अपने चारों सांसदों को तेलंगाना विधानसभा का चुनाव लड़ाने का फैसला किया है। खबरों के मुताबिक मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के परिवार के सदस्य, जहां से चुनाव लड़ेंगे वहां भाजपा अपने सांसदों को मैदान में उतारेगी।

पहले भी पार्टियां विधानसभा चुनाव में अपने पक्ष में हवा बनाने के लिए बड़े चेहरों को मैदान में उतारती थी। इसलिए कई बार सांसदों को भी चुनाव लड़ाया जाता था। लेकिन यह काम तब होता था जब पार्टियों के पास कोई करिश्माई नेतृत्व नहीं होता था या जब पार्टी मुश्किल मुकाबले में फंसी होती थी। तभी हैरानी है कि भाजपा के पास नरेंद्र मोदी का चेहरा है और पार्टी मान रही है कि कहीं भी उसकी लड़ाई नहीं है, वह आराम से चुनाव जीत रही है तब भी इतनी बड़ी संख्या में सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को चुनाव लड़ा रही है। बहरहाल, सांसदों या केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा का चुनाव लड़ाने को लेकर कुछ नैतिक व राजनीतिक सवाल हैं, जिनका जवाब पार्टियों को देना चाहिए।

पहले तो सांसदों के विधानसभा का चुनाव लडना ही सवाल खड़े करता है। एक सांसद अपने लोकसभा क्षेत्र की पांच या छह विधानसभा सीटों का प्रतिनिधित्व करता है। उसको एक विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाने की क्या तुक है? क्या इससे पक्षपात की संभावना नहीं बनती है? यह हो सकता है कि सांसदों को अंदाजा हो कि उनको विधानसभा का चुनाव लडना पड़ सकता है तो वे पहले से ही किसी खास विधानसभा क्षेत्र पर ज्यादा ध्यान देते हों। यह भी हो सकता है कि अगर चुनाव लड़ रहा सांसद विधानसभा का चुनाव हार जाए तो बतौर सांसद वह उस क्षेत्र की जनता से बदला लेने के लिए उस विधानसभा क्षेत्र में काम न कराए या अपनी निधि का पैसा वहां खर्च न करें? इस तरह यह एक तरह के पक्षपात की संभावना को जन्म देता है। पांच या छह सीटों का प्रतिनिधित्व करने वाले किसी सांसद को विधानसभा का चुनाव लड़ाने से यह मैसेज तो बनता है कि पार्टी ने बड़ा चेहरा उतारा है लेकिन इससे उस सांसद का कद छोटा होता है।

दूसरा सवाल राजनीतिक नैतिकता को लेकर है। अगर कोई सांसद विधानसभा का चुनाव जीत जाता है तो इसका मतलब है कि किसी एक सीट पर निश्चित रूप से उपचुनाव होगा। क्योंकि या तो वह लोकसभा की सीट छोड़ेगा या विधानसभा का। यह सिर्फ अभी के चुनाव की बात नहीं है। अभी लोकसभा का कार्यकाल बहुत कम बचा हुआ है इसलिए हो सकता है कि विधायक बनने के बाद कोई सांसद इस्तीफा दे तो उपचुनाव नहीं कराया जाए। लेकिन आमतौर पर अगर कोई नेता लोकसभा और विधानसभा दोनों सीटों पर जीता हुआ होता है तो वह एक सीट से इस्तीफा देता है और वहां उपचुनाव होता है। जैसा कि पश्चिम बंगाल में निशीथ प्रमाणिक और जगन्नाथ सरकार की सीट पर हुआ या त्रिपुरा में प्रतिमा भौमिक की सीट पर हुआ। इस तरह के उप चुनाव के लिए आचार संहिता लगती है, केंद्रीय बलों की तैनाती होती है, बड़े नेता कामकाज छोड़ कर प्रचार करते हैं और चुनाव आयोग का बेवजह खर्च बढ़ता है।

सोचें, एक तरफ पूरे देश में एक चुनाव के लिए विधानसभा और लोकसभा का कार्यकाल फिक्स्ड करने पर विचार हो रहा है तो दूसरी ओर सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ाया जा रहा है! केंद्र सरकार ने एक देश, एक चुनाव पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में आठ सदस्यों की एक कमेटी बनाई है। सबको अंदाजा है कि एक देश, एक चुनाव का कोई भी सिद्धांत तभी कामयाब हो सकता है, जब लोकसभा और विधानसभा का कार्यकाल फिक्स्ड किया जाए। यानी तय कर दिया जाए कि पांच साल के भीतर किसी हाल में लोकसभा और विधानसभा भंग नहीं होगी ताकि सरकार गिरने पर मध्यावधि चुनाव न कराना पड़े। ऐसा एक कानून ब्रिटेन की संसद ने पास किया था लेकिन 2017 में उसे बदल दिया गया। बहरहाल, एक तरफ फिक्स्ड कार्यकाल की बात हो रही है तो दूसरी ओर लोकसभा के सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ाया जा रहा है! यह तो सीधे सीधे उपचुनाव की संभावना पैदा करने वाला कदम है!

आखिर में एक बड़ा सवाल केंद्रीय मंत्रियों को चुनाव लड़ाने पर है। अगर कोई केंद्रीय मंत्री विधानसभा का चुनाव लड़ता है तो यह प्राकृतिक न्याय के विरूद्ध होता है। इससे चुनाव का मैदान बराबरी का मैदान नहीं रह जाता है। केंद्रीय मंत्री देश के 140 करोड़ लोगों का मंत्री होता है। उसका कद और प्रोटोकॉल बहुत बड़ा होता है। उसकी सुरक्षा और अन्य तामझाम बहुत बड़ा होता है। जबकि दूसरी ओर उसके खिलाफ लडने वाला नेता किसी पार्टी का सामान्य कार्यकर्ता हो सकता है। अगर वह राज्य का मंत्री भी है तब भी उसका दर्जा बहुत नीचे है। दूसरे उम्मीदवार के प्रति स्थानीय प्रशासन, पुलिस और चुनाव आयोग के अधिकारियों–कर्मचारियों का रवैया वही नहीं रहेगा, जो केंद्रीय मंत्री के प्रति होगा। कोई कुछ भी दावा करे लेकिन इससे स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की संभावना प्रभावित होती है। तभी दुनिया के कई देशों में आम चुनाव से पहले सरकार को हटा दिया जाता है और कोई कार्यवाहक सरकार चुनाव कराती है। भारत में ऐसी व्यवस्था नहीं है। फिर भी आम चुनावों की बात अलग है लेकिन अगर केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी अपने किसी मंत्री को विधानसभा का चुनाव लड़ाती है तो उसे कम से कम मंत्री पद से हटा कर चुनाव में भेजना चाहिए।

हसन अली की ख्वाहिश रह जाएगी अधूरी, दिल्ली के स्ट्रीट फूड से जुड़ी है इच्छा

पाकिस्तान की वर्ल्ड कप टीम में तेज गेंदबाज नसीम शाह की जगह शामिल किए गए हसन अली ने कहा कि वो दिल्ली के स्ट्रीट फूड खाना चाहते हैं। हालांकि, उनकी ख्वाहिश पूरी ना होने पर उन्होंने निराशा जताई है।

बाबर आजम के नेतृत्व में पाकिस्तानी क्रिकेट टीम भारत पहुंच चुकी है। साथ ही टीम ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला अभ्यास मैच भी खेला। जिसमें उसे 5 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। फिलहाल, पाक टीम अगले 10 दिनों तक हैदराबाद में ही रहेगी, जहां उसे वर्ल्ड कप के अपने पहले दो मैच खेलने हैं।

पाकिस्तान को वर्ल्ड कप में भारत के पांच शहरों में मैच खेलने हैं। लेकिन दिल्ली में उसका एक भी मैच नहीं है। अपनी पहली भारत यात्रा पर आए हसन अली का कहना है कि वह अपनी भारतीय मूल की पत्नी से पिछले पांच सालों से दिल्ली के स्ट्रीट फूड के बारे में सुनते रहे हैं।

हसन अली की ख्वाहिश नहीं होगी पूरी

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, अली ने कहा कि मैं पाच सालों से शादीशुदा हूं और मेरी पत्नी दिल्ली के स्ट्रीट फूड के बारे में बात करती है। मैं सच में दिल्ली जाना चाहता हूं और वहां के स्ट्रीट फूड का लुत्फ उठाना चाहता हूं। लेकिन दुर्भाग्य से ये संभव नहीं हो पाएगा।

हालांकि, हसन अली के साथ मोहम्मद नवाज को छोड़कर सभी खिलाड़ियों की ये पहले भारत यात्रा है। वहीं हसन अली को नसीम शाह की जगह टीम में जगह मिली है। उन्होंने अभी तक पाकिस्तान टीम के लिए 60 वनडे में 91 विकेट झटके हैं। इसके अलावा उन्होंने वनडे में 4 बार 5 विकेट हॉल और एक बार मैच में 4 विकेट अपने नाम किए थे।

एशियन गेम्स 2023 में रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने जीता टेनिस में गोल्ड मेडल

एशियन गेम्स 2023 में रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने मिश्रित युगल फाइनल में ताइपे के सुंग हाओ हुआंग और लियांग एन शुओ को परास्त कर अपने नाम गोल्ड मेडल किया। शनिवार को एशियन गेम्स 2023 में रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने टेनिस में गोल्ड मेडल जीत लिया। इस दौरान इस जोड़ी ने मिश्रित युगल फाइनल में ताइपे के सुंग हाओ हुआंग और लियांग एन शुओ को परास्त कर अपने नाम गोल्ड मेडल किया। बोपन्ना और रुतुजा ने फाइनल 2–6, 6–3 से अपने नाम किया। ये मैच एक घंटे 14 मिनट तक चला। इसके साथ ही ये भारत का एशियन गेम्स में 9वां गोल्ड मेडल है। मिश्रित युगल फाइनल में बोपन्ना ने शुरुआत बेहतरीन सर्विस गेम से की। हालांकि, हुआंग और लियांग ने लगातार दो ब्रेक जीते और अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए 5–1 की बढ़त बनाई। साथ ही उन्होंने पहला सेट 6–2 से जीत लिया। बोपन्ना और रुतुजा ने दूसरे सेट में अच्छा संघर्ष किया। इसके बाद सात गेमों में दोनों टीमों के बीच कोई अंतर नहीं था। भारतीय जोड़ी ने आठवें गेम में निर्णायक ब्रेक के साथ बराबरी की और सेट 6–3 से जीतने के बाद मैच टाई ब्रेक में गया। निर्णायक गेम में बोपन्ना और रुतुजा ने शुरुआती बढ़त हासिल की और कुछ ही समय में 6–1 की लीड ले ली। चीनी ताइपे की जोड़ी ने वापसी का प्रयास किया लेकिन फायदा नहीं हुआ। भारतीय खिलाड़ियों ने लय बरकरार रखते हुए टाई ब्रेकर 10–4 से अपने नाम किया और इसी के साथ मेडल भी हासिल कर लिया। इससे पहले बोपन्ना और रुतुजा ने मिश्रित युगल क्वार्टरफाइनल में कजाकिस्तान के झिबेक कुलम्बायेवा और ग्रिगोरी लोमाकिन को मात दी थी।

जयशंकर ने कनाडा पर वाशिंगटन से ही दी वॉर्निंग, लोकतंत्र पर हमें ज्ञान न दें

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा के स्पष्ट संदर्भ में कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को हथियार बनाकर इसका इस्तेमाल हिंसा भड़काने के लिए नहीं होना चाहिए। भारत को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अवधारणा पर दूसरों से सबक लेने की आवश्यकता नहीं है। वाशिंगटन डीसी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि मैंने यहां (अमेरिका में) ध्वजांकित किया और मैंने इसे कनाडाई लोगों को भी ध्वजांकित किया। हम एक लोकतंत्र हैं। हमें अन्य लोगों से यह सीखने की जरूरत नहीं है कि स्वतंत्रता क्या होती है भाषण के बारे में है, लेकिन हम लोगों को यह बता सकते हैं। हमें नहीं लगता कि भाषण की स्वतंत्रता हिंसा को उकसाने तक फैली हुई है। हमारे लिए, यह स्वतंत्रता का दुरुपयोग है, यह स्वतंत्रता की रक्षा नहीं है। उन्होंने आगे एक सवाल उठाते हुए पूछा कि अगर अन्य देश भारत की स्थिति में होते, उनके राजनयिकों, दूतावासों और नागरिकों को धमकी का सामना करना पड़ता तो वे कैसे प्रतिक्रिया देते। यदि आप मेरी जगह होते तो आपकी क्या प्रतिक्रिया होती? यदि यह आपके राजनयिक, आपका दूतावास, आपके लोग होते, तो आपकी क्या प्रतिक्रिया होती? इस साल जुलाई में सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमले के संबंध में भारतीय चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर, विदेश मंत्री ने कहा कि यह मुद्दा उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान उठाया गया था और उन्होंने इसे एक सतत चर्चा बताया। जयशंकर ने कहा कि हाँ, निःसंदेह हमने इसे उठाया। स्थिति क्या है...यह एक सतत बातचीत है।

हां, मैंने इस पर कुछ समय बिताया...हां, हमने अन्य चीजों पर चर्चा की...हमारे संबंधों के कई आयाम हैं, सहयोग के कई क्षेत्र हैं। जब हम दुनिया को देखते हैं, तो ऐसे क्षेत्र हैं जहां हमारे बीच अभिसरण है, और हित के चौराहे हैं जहां हम बहुत करीब से एक साथ काम करते हैं, हम वह सब कर रहे हैं।

एशियन गेम्स 2023: मैं दिमाग से चोट का ख्याल भी निकाल देना चाहता हूं : नीरज चोपड़ा

लंबे समय से ग्रोइन की चोट से परेशान ओलंपिक चौम्पियन

नीरज चोपड़ा एशियाई खेलों में इस चोट के बारे में सोचना भी नहीं चाहते। चोपड़ा ने जकार्ता में 2018 में भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इस चोट के बावजूद उन्होंने इस सत्र में अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व चौम्पियनशिप जीती और सितंबर में डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने कहा ,'' मैं स्विटजरलैंड में अभ्यास और इत्मीनान से रिहैब के बाद यहां आया हूं। उम्मीद है कि सौ फीसदी देकर पदक जीत सकूंगा।'' उन्होंने कहा ,'' चोट तो अभी भी है। पिछले साल भी मसला था लेकिन मुझे बेहतर लग रहा था। मुझे ख्याल रखना होगा क्योंकि पेरिस ओलंपिक की तैयारी भी है। इस तरह की चीजें शीर्ष स्तर पर खेलने वाले एथलीटों के साथ होती रहती है।''

सिख ग्रंथी ने रचा इतिहास, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की शुरू की कार्यवाही

न्यू जर्सी के एक सिख ग्रंथी ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही शुरू करने के लिए प्रार्थना की। न्यू जर्सी के पाइन हिल गुरुद्वारे के ग्रंथी ज्ञानी जसविंदर सिंह ने शुक्रवार को सदन में दिन की कार्यवाही शुरू की। कार्यवाही से पहले प्रार्थना आम तौर पर एक ईसाई पादरी द्वारा की जाती है। सदन के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी ने घोषणा की कि सिंह कार्यवाही शुरू करेंगे। प्रार्थना के तुरंत बाद सदन में बोलते हुए कांग्रेसी डोनाल्ड नॉरक्रॉस ने इसे एक ऐतिहासिक अवसर बताया। वह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में प्रार्थना करने वाले पहले सिख पादरी हैं। नॉरक्रॉस ने कहा कि आज बनाया गया इतिहास इस बात की याद दिलाता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका धर्म की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का स्वागत करता है और उसे महत्व देता है और इसके लिए प्रतिबद्ध रहेगा। ज्ञानी सिंह ने आज साउथ जर्सी को गौरवान्वित किया है और उनके साथ इस पल का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

United Kingdom में खालिस्तानी समूह का दुस्साहस, भारतीय उच्चायुक्त को गुरुद्वारे में प्रवेश से रोका

ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थकों ने एक बार फिर से दुस्साहस किया है। भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी को ग्लासगो के एक गुरुद्वारे में जाने से रोका गया है। सामने आए वीडियो में नजर आ रहा है कि दोराईस्वामी एक गुरुद्वारे में जाना चाहते थे लेकिन उनको गाड़ी का दरवाजा खोलने नहीं दिया गया। विवरण के अनुसार, दोरईस्वामी को कट्टरपंथी ब्रिटिश सिख कार्यकर्ताओं के एक समूह ने रोका, जिन्होंने उनसे कहा कि उनका स्वागत नहीं है। ये वही गुरुद्वारा है, जहां दोराईस्वामी खालिस्तान गतिविधियों को लेकर गुरुद्वारा समिति के साथ बैठक करने आए थे।

घटना के बारे में जानकारी देते हुए एक खालिस्तान समर्थक सिख कार्यकर्ता ने कहा कि उनमें से कुछ को पता चला कि दोराईस्वामी ने अल्बर्ट ड्राइव पर ग्लासगो गुरुद्वारा की गुरुद्वारा समिति के साथ एक बैठक की योजना बनाई थी। कार्यकर्ता ने कहा कि कुछ लोग आये और उनसे कहा कि उनका स्वागत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि जो कुछ हुआ उससे गुरुद्वारा कमेटी बहुत खुश है. लेकिन ब्रिटेन के किसी भी गुरुद्वारे में भारतीय अधिकारियों का स्वागत नहीं है। उन्होंने कहा कि हम यूके–भारत की मिलीभगत से तंग आ चुके हैं। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से हालिया तनाव के कारण ब्रिटिश सिखों को निशाना बनाया जा रहा है। अवतार सिंह खांडा और जगतार सिंह जोहल के साथ भी ऐसा ही है।

खालिस्तान समर्थक गुरुद्वारे के बाहर भारतीय उचायोग दोराईस्वामी को घेरे नजर आए। उन्हें गुरुद्वारे में जाने से रोका जा रहा है। इसके बाद दोराईस्वामी एक कार में बैठकर वहां से चले गए। वीडियो में उनके जाने के बाद भी खालिस्तान समर्थक उन्हें दोबारा कभी वहां ना आने की हिदायत देते हुए नजर आए।

मीराबाई चानू का अभियान निराशाजनक तरीके से समाप्त, चौथे स्थान पर रहीं

भारत की शीर्ष भारोत्तोलक मीराबाई चानू का एशियाई खेलों में अभियान निराशानजक तरीके से समाप्त हुआ जिसमें यह

ओलंपिक पदक विजेता शनिवार को महिलाओं की 49 किग्रा स्पर्धा में खुद को चोटिल कर बैठी और चौथे स्थान पर रहीं।

स्नैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चानू दबाव में थीं और क्लीन एवं जर्क में 117 किग्रा वजन उठाने की कोशिश कर रही थीं जिससे वह कांस्य पदक जीत सकती थीं लेकिन दो बार ऐसा करने में विफल रहीं। अंतिम प्रयास में वह अपनी पीठ के बल गिर गयीं और उन्हें स्टेज से उठाकर ले जाना पड़ा। वह एरीना से लंगड़ाती हुई बाहर गयीं।

स्नैच वर्ग में वह केवल 83 किग्रा का ही वजन उठा सकीं और 86 किग्रा उठाने के दो प्रयासों में विफल रहीं। अंतिम स्नैच में वह 'स्क्वैट पाजीशन' से उठ ही नहीं सकीं और आगे की ओर गिर गयी जिससे 'बार' उनकी पीठ पर गिर गया। छह भारोत्तोलकों ने स्नैच में उनसे बेहतर वजन उठाया।

जयशंकर के बयान पर अमेरिका ने दिया जवाब, जिम्मेदार लोगों को ठहराया जाना चाहिए जवाबदेह

अलगाववादियों और खालिस्तानियों के पनाहगाह बन चुके कनाडा की भारत ने ऐसी खबर ली कि वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की अक्ल ठिकाने आ गई। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने वाले ट्रूडो भारत से दोस्ती की वकालत करते नजर आए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ अपनी बातचीत के दौरान निज्जर मुद्दे के संदर्भ में कहा कि भारत निज्जर की हत्या को लेकर लगे उन आरोपों पर गौर करने के लिए तैयार है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन का कहना है कि विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात के दौरान कनाडा विवाद पर चर्चा हुई। जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और हमें उम्मीद है कि कनाडा और भारत दोनों में हमारे दोस्त इस मामले को सुलझाने के लिए मिलकर काम करेंगे। एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि मुझे विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर के साथ बैठक करने का मौका मिला। मैंने फिर से दोहराया कि निज्जर हत्या मामले में जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। हमें उम्मीद है कि इस मामले को सुलझाने के लिए कनाडा भारत मिलकर काम करेंगे।

बता दें कि एस जयशंकर ने कहा कि भारत ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की संभावित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों के संबंध में सूचना पर विचार करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि मामला यह है कि कनाडा ने कुछ आरोप लगाए हैं। हमने उन्हें बताया है कि यह भारत सरकार की नीति नहीं है, लेकिन अगर वे कोई विशिष्ट सूचना तथा कुछ भी प्रासंगिक जानकारी हमारे साथ साझा करने के लिए तैयार हैं, तो हम भी उस पर विचार करने के लिए तैयार हैं।

ऑनलाइन विक्रेताओं को त्योहारी मौसम में 15 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीदः रिपोर्ट

ऑनलाइन विक्रेताओं को साल 2023 की पहली तीन तिमाहियों में तमाम मुश्किलों का सामना करने के बाद चौथी तिमाही में बेहतर कारोबार से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया।

सलाहकार फर्म रेडसियर स्ट्रेटेजी कंसल्टेंट्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऑनलाइन विक्रेताओं को आगामी त्योहारी मौसम में ऑनलाइन बिक्री में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत का उछाल आने की उम्मीद है।

इस रिपोर्ट में त्योहारी मौसम को लेकर बाजार की तैयारी और मजबूत धारणाओं के संकेत दिए गए हैं। रेडसियर ने 2023 के त्योहारी सीजन से पहले कुछ विक्रेताओं, खासकर छोटे विक्रेताओं के बीच कराए गए सर्वेक्षण से यह नतीजा निकाला है। उसने कहा कि विक्रेताओं के बीच त्योहारी बिक्री बढ़ने की उम्मीद 'विभिन्न श्रेणियों में मजबूत' है। रेडसियर ने एक विज्ञप्ति में कहा, "कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली तीन तिमाहियों में विषम परिस्थितियों के बाद ऑनलाइन विक्रेताओं को त्योहारी सीजन की बिक्री में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है।" रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में ई–कॉमर्स मंचों पर बिक्री वृद्धि सुस्त रहने के बावजूद विक्रेताओं में त्योहारी सीजन के लिए धारणाएं मजबूत हैं।

दुष्कर्मी को 23 साल की कैद

देवरिया। मदनपुर थाना क्षेत्र में तीन वर्ष पूर्व किशोरी से दुष्कर्म के मामले में सुनवाई के बाद न्यायालय ने फैसला सुना दिया। विशेष न्यायाधीश (पाक्सो) राकेश पटेल की अदालत ने दोषी पाए जाने पर अभियुक्त को 23 साल कैद व 27,500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। मदनपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी शेषनाथ यादव पर 23 नवंबर 2020 को खेत पर खाना लेकर जा रही किशोरी से दुष्कर्म का आरोप था। किशोरी की मां की तहरीर पर थाना मदनपुर में दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ। अभियोजन ने सात गवाहों को पेश किया। उभय पक्ष के तर्कों व साक्ष्यों के अवलोकन के बाद अदालत ने पाया कि आरोपी ने आठ वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म किया। न्यायालय ने सजा में कोई नरमी न बरतते हुए पाक्सो अधिनियम के तहत 20 वर्ष की कठोर कैद व धमकी के देने के आरोप में तीन वर्ष के कैद व 27,500 जुर्माने से दंडित करने का फैसला सुनाया। अर्थदंड की धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति के रूप में दी जाएगी।

मकान दिलाने का झांसा देकर 26 लाख की ठगी

सलेमपुर। मकान खरीदने के लिए एक व्यक्ति ने अपनी चालीस साल की जमापूंजी जालसाज की बातों में आकर लगा दी। 26 लाख रुपये देने के बाद भी उसे मकान नहीं मिल सका। रुपये वापस दिलाने के नाम पर एक सफेदपोश ने भी 26 हजार रुपये वसूल लिए। लेकिन, न मकान मिल सका और न रुपये। अब पीड़ित न्याय के लिए छह माह से कोतवाली के चक्कर लगा रहा है। लार के चौमुखा गांव निवासी इंद्रजीत गोंड एमपी बिड़ला सीमेंट ग्रुप में काम करते थे। चालीस साल नौकरी करने के बाद वह लार में एक किराए के मकान में रहने लगे। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक व्यक्ति के झांसे में आकर मकान के लिए 26 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से उसके खाते में ट्रांसफर कर दिए। रकम लेने के बाद उसने मकान नहीं दिया। आरोप है कि जब रकम वापस करने की मांग की तो पीड़ित के बेटे के ऊपर जानलेवा हमला करा दिया गया। बेटे का पैर टूट गया। रकम वापस कराने के नाम पर एक सफेदपोश ने उससे 26 हजार रुपये ले लिए। फिर भी वह रकम वापस नहीं करा सका। अब पीड़ित रुपयों की वापसी के लिए छह माह से कोतवाली के चक्कर लगा रहा है। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया और न ही रकम ही दिलवा सकी। पीड़ित ने नए कोतवाल से मिलकर फरियाद लगाई। कोतवाल उमेश कुमार वाजपेई ने बताया कि मामले की जानकारी हुई है। आरोपी को बुलवाया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दुरुस्त रखें सफाई व्यवस्था, इकट्ठा न हो बारिश का पानी

बरहज। नगरपालिका अध्यक्ष श्वेता जायसवाल ने कहा कि संचारी रोगों से बचाव के लिए हर संभव उपाय किए जाएं। स्वच्छता सेवा के लिए अधिकारी खुद अपनी जिम्मेदारी निभाएं। सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करें और इलाके में कहीं भी बारिश का पानी इकट्ठा न होने दें। वह पालिका कार्यालय में अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक को संबोधित कर रही थीं। अध्यक्ष श्वेता जायसवाल ने कहा कि नगर में साफ–सफाई और बीमारियों से निजात के लिए समय–समय पर दवाओं का छिड़काव कराने को कहा। ईओ चंद्रकृष्ण पांडेय ने कर्मचारियों से नगर में साफ–सफाई कराने के साथ कहीं भी जलजमाव जैसी स्थिति न होने देने का निर्देश दिया। इस दौरान जोखन प्रसाद, मनोज गुप्त, आनंद सिंह, महेश यादव, अन्नू सिंह, सरवन आदि मौजूद रहे।

बिना काम कराए भुगतान करने संबंधी डीएम से शिकायत

महराजगंज। नौतनवा तहसील के ग्राम सभा मनिकापुर के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर बिना काम कराए भुगतान करने का आरोप लगाया है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत मनिकापुर में सड़क, नाली, बिजली आदि कार्यों की कार्ययोजना बनाकर प्रस्ताव पारित कर कागज में ही सारा कार्य कर दिया गया है। ग्राम पंचायत में हैंडपंप लगाने एवं मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये का भुगतान कराया गया है, जबकि एक भी हैंडपंप की मरम्मत नहीं कराई गई है। ग्रामीण राकेश यादव, चिंता देवी, ज्ञानमती, सुनीता, प्रेमशीला, सरस्वती, निर्मला, कमलावती ने चेतावनी दी कि यदि 20 अक्टूबर तक मामले की जांच कर इसमें संलिप्त ग्राम प्रधान एवं सचिव के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण आमरण अनशन करेंगे।

ट्रांसफार्मर जला 1500 घरों की बिजली गुल

दैनिक बुद्ध का सन्देश
गोला,गोरखपुर। तहसील क्षेत्र के धुरियापार विद्युत उपकेंद्र

से संबंधित कस्बा शाहपुर बेलावं के लगभग 1500 घरों की बिजली शुक्रवार से ट्रांसफार्मर जलने से गुल हो गई है। भीषण गर्मी में बिजली गुल होने से उपभोक्ता परेशान हैं। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह ओवरलोड होने की वजह से ट्रांसफार्मर पूरी तरह से जल गया जिससे यहां के उपभोक्ताओं भीषण गर्मी से बेहाल हो रहे हैं। उपभोक्ता भोलानाथ वर्मा,राजेश भट्ट, अशोक चतुर्वेदी, फनीभूषण राय, गोपीचंद,नरेश वर्मा, मंटू वर्नवाल, बृजेश दूबे, नंदलाल जायसवाल, बृजेश वर्मा,अर्जुन प्रसाद, बसुधाधर भट्ट आदि सैकड़ों उपभोक्ताओं का कहना है कि कस्बे में विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या और लोड बढ़ता जा रहा है जिसके कारण 400 केवी का ट्रांसफार्मर लोड नहीं ले पाता है और आए दिन फाल्ट होते रहते हैं। कस्बे के उपभोक्ताओं ने मांग की है कि एक और 400केवी का ट्रांसफार्मर लगवाया जाए। अधिशासी अभियंता संतोष कुमार ने कहा कि मामला संज्ञान में है। कस्बा शाहपुर बेलावं का ट्रांसफार्मर पूरी तरह से जल गया है।लिख कर दिया गया है कल तक सम्भवतः ट्रांसफार्मर लगवा दिया जाएगा।

बिना टेंडर के काम कराने को लेकर हंगामा, हाथापाई, सभासदों ने किया बहिष्कार

मदनपुर। नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में सामानों की खरीद फरोख्त और बिना टेंडर के काम कराने को लेकर जमकर हंगामा हुआ। बैठक शुरू होते ही कुछ सभासद बिना टेंडर के हो रही खरीदारी का विरोध करने लगें। इस दौरान नोक झोंक होने लगी। मामला हाथापाई तक पहुंच गया। इसे देख सभासदों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। उन्होंने सभासद संघ की अलग बैठक कर बदसलूकी करने वाले सभासद पर कार्रवाई की मांग की।

सभासद संघ के अध्यक्ष प्रियेश कुमार शुक्ला, संतराज यादव, शैलेष यादव, सुग्रीव, जयप्रकाश राजभर, दिग्विजय नाथ, पिंटू कुशवाहा, संगीता, सोनी, गौसिया बेगम ने कहा कि नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में मौजूद अधिकांश सभासदों ने सामानों की खरीदारी और बिना टेंडर के काम कराने का विरोध किया। उन्होंने विकास कार्यों में पारदर्शिता पर सवाल उठाया। सभासद अपनी बात रख रहे थे कि उनके बीच से एक सभासद अचानक जोर जोर से चिल्लाकर सबको धमकी देने लगे। उन्होंने विरोध कर रहे सभासदों के साथ बदसलूकी की। चेयरमैन का पक्ष लेते हुए विरोध करने वाले सभासदों से हाथापाई की। बैठक में हंगामा शुरू होने पर कार्यवाही से असंतुष्ट सभासदों ने बोर्ड की बैठक का बहिष्कार कर अलग बैठक की। उन्होंने घटना से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया है। सभासद संघ के अध्यक्ष ने कहा कि वह सभी सभासदों को लेकर जिलाधिकारी से मिलेंगे। उन्होंने नगर पंचायत मदनपुर में बिना टेंडर के हुए कार्य और सामानों की खरीद की जांच कराने और सभासदों की सुरक्षा की मांग की है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

देवरिया। बिहार के औरंगाबाद की एक युवती से इंस्टाग्राम पर दोस्ती, फिर शादी का झांसा देकर तीन साल तक दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। युवती की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ तरकुलवा पुलिस ने केस दर्ज किया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। तरकुलवा के पथरदेवा निवासी सूरज सोनकर तीन वर्ष पूर्व जमशेदपुर में टेक्नीशियन का काम करता था। वहीं इंस्टाग्राम के जरिए उसकी एक युवती से दोस्ती हो गई। सोशल मीडिया पर चौटिंग व बातचीत बढ़ी तो दोस्ती प्यार में बदल गया। इस दौरान सूरज शादी का झांसा देकर युवती का शारिरिक शोषण करता रहा। आरोप है कि सूरज पीड़िता को गोरखपुर, कसया और कुशीनगर के होटलों में ले जाकर दुष्कर्म किया। इससे वह गर्भवती हो गई। इसके बाद आरोपी युवक ने बहला–फुसला कर उसका गर्भपात करा दिया। युवती ने जब उससे शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी युवक ने इंकार कर दिया। इसके बाद वह युवती से मिलना–जुलना और बातें करना भी बंद कर दिया। जब युवती को लगा कि उसका प्रेमी उससे किनारा कर रहा है, तो वह बुधवार को युवक की तलाश करते उसके गांव पथरदेवा पहुंच गई। युवक के परिजन जब उसे घर रखने से इंकार कर दिए तो वह पथरदेवा पुलिस चौकी पर पहुंचकर युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और अब शादी से मुकर जाने का आरोप लगाई। पीड़िता ने तरकुलवा थाने में तहरीर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया। वहीं आरोपी सूरज को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया। जहां से जेल भेज दिया गया।

कम होने के बाद भी अभी छह किलोमीटर लंबा जाम, सरहद पार होने लग रहे दो से तीन दिन

महराजगंज। सोनौली भारत नेपाल सीमा से ट्रकों का जाम घटकर छह किमी रह गया है, लेकिन ट्रकों को सरहद पार करने में अब भी दो से तीन दिन लग रहे हैं। अभी सोनौली से लेकर छह किमी नौतनवां बाईपास स्थित बनैलिया मंदिर तक जाम है। एक सप्ताह पूर्व मुडिला गांव करीब 18 किमी तक पहुंच गया था। पहले आठ से 10 दिन लग जा रहे थे। वहीं, नेपाल के कारोबारियों ने समस्या को देखते हुए सोनौली सीमा से कारोबार कम कर दिया है। व्यापारी अब बढ़नी खुनुवा के रास्ते सामान मंगा रहे हैं।

बीते माह में सोनौली भारतीय सीमा क्षेत्र में 18 किलोमीटर की लंबी जाम लगा था। जिसमें नेपाल के कारोबारियों का सामान सरहद पर ही फंस गया था। इससे व्यापारियों को काफी नुकसान झेलना पड़ रहा था। ट्रक संचालकों को भी काफी दिक्कत हो रही थी। इस वजह से नेपाल के उद्योगपतियों और व्यापारियों ने रूट बदल कर अब बढ़नी, ठूठीबारी और खनुवा बॉर्डर से सामान मंगाना शुरू कर दिया है। भारतीय सीमा में लगातार लग रहे ट्रकों के जाम को लेकर उद्योग वाणिज्य संघ ने चिंता व्यक्त करते हुए दोनों देशों के अधिकारियों से जाम से निजात दिलाने की मांग की है। नेपाल उद्योग वाणिज्य संघ के महासचिव कृष्ण प्रसाद घिमीरे ने बताया कि अब भी सोनौली भारतीय सीमा में करीब छह किलोमीटर जाम लगा हुआ है। वाहनों को सरहद पार आने में दो से तीन दिन लग जा रहे हैं।

नेपाल के लिए सोनौली बॉर्डर के रास्ते आने के लिए कोई भारतीय वाहन स्वामी और चालक तैयार नहीं हो रहे हैं। इससे सीमावर्ती क्षेत्र से सटे व्यापारियों ने सोनौली बॉर्डर के रास्ते बुकिंग कम कर बढ़नी और खनुवा से माल की बुकिंग शुरू कर दी है। इससे इस इलाके के व्यापारियों को काफी नुकसान हो रहा है। व्यापारी रामप्रीत गुप्ता ने बताया कि बढ़नी और खुनुवा सीमा से एक ही दिन में गाड़ियां फैक्टरी पहुंच जा रहीं हैं। कोतवाल सोनौली अभिषेक सिंह ने बताया कि जाम काफी कम हो गया है। प्रमुख स्थानों पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगा दी गई है।

ब्लॉसम प्लेवे एंड द स्कूल में संपन्न हुआ फैंसी ड्रेस, निबंध लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिता

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सोनौली,महराजगंज। सोनौली नगर स्थित ब्लॉसम प्लेवे एंड

द स्कूल में आज दिनांक 30.09.2023 दिन शनिवार को गांधी जयंती के पूर्व बच्चों का फैंसी ड्रेस कंपटीशन, निबंध लेखन और पेंटिंग कंपटीशन का आयोजन हुआ जिसमें सभी बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया जो बच्चे सर्वोत्तम स्थान हासिल करेंगे उन्हें गांधी जयंती के दिन प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाना है। झांसी की रानी के रूप में स्नेहा जायसवाल, परी के रूप में वसुंधरा त्रिपाठी व काव्या त्रिपाठी, सैनिक के रूप में ईशू और लीडर के रूप में रौही और अन्य कई कैरेक्टर में निशु गुप्ता जन्नत, आरोही, सूरज, श्रेया और अहद ने लोगों का मन मोह लिया। प्रबंधक सनी गुप्ता ने बताया कि समय–समय पर इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों का मनोबल बढ़ता है और हेजिटेशन दूर होती है इस अवसर पर स्कूल की शिक्षिकाएं अंकिता अग्रहरि, माही शाह, रंजनी गौड़, मनीषा निषाद, श्वेता धवल, रितु मद्धेशिया, अंजली और ममता विश्वकर्मा सहित अन्य सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

घर में घुसकर दस लाख नकदी समेत जेवर चोरी

नौतनवा। थाना क्षेत्र के अड्डा बाजार में रात चोर ने एक घर में घुसकर बॉक्स में रखे दस लाख नकदी समेत जेवर की चोरी कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, नौतनवा थाना क्षेत्र के अड्डा बाजार निवासी मुजफ्फर हुसैन के घर में रात लगभग साढ़े बारह बजे चोर चौनल के रास्ते घर में घुसा और फिर कमरे का दरवाजा खोलकर अंदर रखे बॉक्स चुरा ले गया। घर से लगभग दो सौ मीटर दूर बगीचे में बॉक्स की कुंडी तोड़कर नकदी और जेवर समेट रहा था। इसी दौरान बरामदे में सोई रजिया खातून की नींद खुली तो चौनल को खुला हुआ देखा। संदेह होने पर अंदर जाकर देखी तो बॉक्स गायब था। उसके बाद वह अपने बेटों को जगाई और उसके बाद दूसरे वाले मकान में सो रहे पति मुजफ्फर हुसैन को बॉक्स के गायब होने की जानकारी दी। इसके बाद रजिया के पति और बेटा बाहर निकले। बगीचे में मोबाइल की लाइट जलाई तो एक युवक दिखा। लाइट देखकर चोर वहां से भाग खड़ा हुआ। रजिया खातून ने बताया कि बॉक्स से जेवर व भूमि खरीदने के लिए रखे 10 लाख की नकदी की चोरी हुई है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया कि मामला संदिग्ध लग रहा है। तहरीर मिली है जांच की जा रही है।

मुत स्वास्थ्य समुदाय युवा विकास आयोजित हुई बैठक

चिकित्सा सेवाएं मुत इलाज अप्रवासीय भारतीय ने आयोजित की बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश
गोला,गोरखपुर। मुक्त स्वास्थ्य समुदाय चिकित्सा सेवाएं स्वास्थ्य स्क्रीनिंग प्रा. तिक आपदा सहायता की तैयारी कर विभिन्न देश के लायंस क्लब अध्यक्षों की बैंकॉक में बैठक आयोजित हुई। भुवनेश्वर उड़ीसा पटिया सिंगापुर के लायंस क्लब के

अध्यक्षों ने अप्रवासी भारतीय डॉ सत्य प्रकाश तिवारी के साथ बैठक कर बढ़ती हुई बेरोजगारी मुक्त स्वास्थ्य सुरक्षा भुखमरी निवारण स्थानीय खाद्य बैंक का समर्थन पर्यावरण जैसे पेड़ लगाना सफाई अभियान स्थानीय युवा की शिक्षा व्यक्तिगत विकास छात्रवृत्ति खाद्य बैंक स्थापित कर विभिन्न विषयों के समर्थन पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन सिंगापुर गैलेक्सी लायंस क्लब के अध्यक्ष बड़हलगंज विकासखंड पोहिला निवासी डॉ सत्य प्रकाश तिवारी ने किया। कार्यक्रम के की शुरुआत डॉ तिवारी को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इससे अभिभूत होकर डॉ तिवारी ने कहा खुशी की बात है कि इस बैठक ने लायंस इंटरनेशनल के उदात्त कार्य के समर्थन में विभिन्न प्रोजेक्ट्स के बारे में चर्चा करने का मौका दिया। स आपको बता दें थाईलैंड के द जिग्न प्रीमियम विला में एक महत्वपूर्ण गठबंधन हुआ। इस बैठक में पट्टया से डॉ वीरा लड्नोंगखुन, सिंगापुर से डॉ सत्यप्रकाश तिवारी, बैंकॉक से मिस जन रेविस, और भुवनेश्वर उड़ीसा के लायंस क्लब से डॉ धिरेन ढाल सहित कई जगहों के लायंस क्लब के प्रेजिडेंट्स एकत्र हुए थे। यह क्लब लायंस क्लब्स इंटरनेशनल के हिस्से हैं, एक वैश्विक सेवा गठन, जो समुदाय सेवा, मानवी प्रयासों, और परोपकारी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करता है।पट्टया, बैंकॉक, सिंगापुर, और भुवनेश्वर उड़ीसा के लायंस प्रेजिडेंट्स के लिए महत्वपूर्ण है, कि वे अपने प्रयासों को लायंस क्लब्स इंटरनेशनल के मिशन को आगे बढ़ाने का कार्य करें- स्वास्थ्य मुत या कम लागत वाले स्वास्थ्य क्लिनिक स्थापित करने के लिए मिलकर काम करें, जो आर्थिक रूप से कमजोर जनसंख्या को चिकित्सा सेवाएं, स्वास्थ्य स्क्रीनिंग, और टीकाकरण आँखों की देखभाल के लिए आँखों का संग्रहण प्रा.तिक आपदाओं के लिए तैयारी और सहायता के प्रयासों को समन्वित करने के द्वारा प्रा. तिक आपदाओं का सामना करने से है। इस अवसर पर लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ सत्य प्रकाश तिवारी सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

महिना भर से जला सरकारी ट्यूबेल का ट्रांसफार्मर किसान परेशान

दैनिक बुद्ध का सन्देश
गोला,गोरखपुर। गोला विद्युत उप केन्द्र अंतर्गत ग्राम पंचायत

बईपुरा उर्फ पड़ौली में स्थित 26 एन जी बी सरकारी ट्यूबेल का ट्रांसफार्मर लगभग एमाह पुर्व जल गया है। जिसकी लिखित शिकायत उप केन्द्र पर आपरेटर और किसानों द्वारा किया जा चूका है। लेकिन आज तक ट्रांसफार्मर नही बदला गया है।धान की फसल अब गर्भ में है। बारिश नही होने के चलते किसानों को खेत में पानी चलाना बहुत जरूरी है। लेकिन जले ट्रांसफार्मर के चलते किसानों को धान के खेत में पानी भरने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पड़ौली के किसान शिवप्रताप राय, सम्पूर्णानन्द पाण्डेय, सौरभ पाण्डेय, श्यामराज चौरसिया आदि ने कहा कि एक माह से अच्छी बारिश नही हो रही है। हम किसानों को एक अच्छी बर्षात की जरूरत है।धान की फसल अपने गर्मा अवस्था में है पानी मिल जाता तो फसल फूट जाती लेकिन बर्षात नही हो रही है। और रही सही कसर सरकारी ट्यूबेल का जला ट्रांसफार्मर पुरा कर दे रहा है। यदि ट्रांसफार्मर लगजाता तो पानी चला कर हम किसान अपनी फसल बचा लेते। लगभग एक माह से उप केन्द्र पर कहा जा रहा है। लेकिन अभी तक ट्रांसफार्मर नही बदला गया है। निजी साधन से पानी चलाने में खर्च बहुत ज्यादा लग रहा है। इस बारे में विद्युत उप केन्द्र के जेई से बात की किया तो उन्हें बताया कि अभी हम नया आए हैं। जानकारी मिली है। जल्द ही ट्रांसफार्मर लग जाएगा।

ठकुराई गुट के सैकड़ों शिक्षक शंखनाद रैली में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना: डॉ जे पी नायक

दैनिक बुद्ध का सन्देश
गोरखपुर। उ. प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रमुख घटक ठकुराई गुट के सैकड़ों शिक्षक जिलाध्यक्ष हीरालाल गोंड के नेतृत्व में गोरखपुर रेलवे स्टेशन से गोरखधाम एक्सप्रेस से पेंशन संखनाद रैली में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना हुए। इस रैली में समीपवर्ती जिले देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर तथा संतकबीर नगर के ठकुराई गुट के शिक्षक साथी भी शामिल रहे। प्रदेश उपाध्यक्ष/प्रभारी गोरखपुर फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र डॉ जे पी नायक ने प्रदर्शनकारी शिक्षकों के प्रति शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा की जगदीश पांडेय ठकुराई के

नेतृत्व में तथा महामंत्री लाल मणी द्विवेदी के कुशल संयोजकत्व में पुरानी पेंशन की चिर लंबित मांग को हम प्राप्त करके रहेंगे। जिलाध्यक्ष हीरालाल गोंड के नेतृत्व में मंडल के शिक्षकों का यह हुजूम अपनी चट्टानी एकता और ताकत का दिल्ली के रामलीला मैदान में पुरजोर प्रदर्शन करेगा। जिससे केंद्र और प्रदेश की सरकारें की चूलें हिल जाएँगी। जब जब शिक्षकों और कर्मचारियों से सरकारें टकरायीं हैं तब तब उनको मुँह की खानी पड़ी है। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश मंत्री राम बहाल त्रिपाठी, देवेंद्र प्रताप सिंह गौतम, संयुक्त मंत्री संजीव कुमार गुप्ता, विनोद सिंह, सुबास यादव, श्याम श्रीधर, शैलेन्द्र कुमार, सुरेंद्र यादव, ओमवीर सिंह, अनुपम सिंह, इस्तियाक, बांसूराम, महराज गंज के जिलाध्यक्ष ताज अजय श्रीवस्तस्व, सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश पांडेय, जिलाध्यक्ष संतकबीर नगर डॉ गोविन्द चंद, जिलाध्िक्ष देवरिया डॉ कैप्टन जीतेन्द्र सिंह, जिलध्यक्ष कुशीनगर धर्मेंद्र कुमार सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में क्रान्तिकारी शिक्षक साथी प्रस्थान किए।

विद्यालय के भवन निर्माण कार्य में लाया जाये तेजी: जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति व एम0डी0एम0 जनपदीय टास्कफोर्स की बैठक की, बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद के प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों का भ्रमणशील रहकर रेण्डम निरीक्षण किया जाये, जिन विद्यालयों के शिक्षकगण लगातार अनुपस्थित पाये जाये उनके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। विद्यालयों में बच्चों को बेहतर शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध करायी जाये, इसके साथ ही एम0डी0एम0 योजना के अन्तर्गत बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाये, इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाये, उक्त मामले में शिथिलता पाये जाने पर सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जायेगी। उन्होंने कहा कि जिन भी जिन अधिकारियों द्वारा विद्यालयों के निरीक्षण व अन्य जरूरी कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है, उन सभी अधिकारियों को स्पष्टीकरण जारी किया जाये। इसी प्रकार से जिलाधिकारी ने जनपद में नव निर्मित प्राथमिक विद्यालयों के निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा की तो यह तथ्य संज्ञान में आया कि लोक निर्माण विभाग, निर्माण खण्ड विभाग द्वारा भवनों के निर्माण कार्य में शिथिलता

बरती जा रही है, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी के अवर अभियन्ता के विरूद्ध कार्यवाही हेतु शासन को पत्राचार किया जाये और लापरवाही व शिथिलता बरतने पर सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी की भी जिम्मेदारी तय की जाये। इसी प्रकार से जिलाधिकारी ने आपरेशन कायाकल्प योजना के अन्तर्गत विद्यालयों में सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने हेतु की जाने वाली कार्यवाही की प्रगति की समीक्षा की तो प्रगति रिपोर्ट बेहतर नहीं पायी गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिये और कहा कि कार्यपद्धति में सुधार न आने पर वेतन भुगतान पर रोक लगायी जाये। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय समय से खोले जाये और देर से आने वाले अध्यापक सम्पर्क अभियान के तहत बच्चों व अभिभावकों से सम्पर्क करते हुए ससमय निर्धारित रूप से विद्यालय में उपस्थिति के लिए प्रेरित किया जाये, निपुण योजना को निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष समय अन्तर्गत पूर्ण करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये अन्यथा की स्थिति में कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी, जनपद स्तर पर बनाये गये निपुण डैसबोर्ड की सूचना गुणवत्ता पूर्ण तरीके से सभी विद्यालयों द्वारा उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाये। इस दौरान विद्यालय के दिव्यांग शौचालयों की समीक्षा करते हुए पाया कि 21 विद्यालयों में दिव्यांग शौचालय का निर्माण कराया कराया जा रहा है, इसी प्रकार से समस्त विद्यालयों में भी दिव्यांग शौचालय का निर्माण कार्य कराया जाये, शौचालय निर्माण कार्य न कराये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध जिम्मेदारी तय करते हुए स्पष्टीकरण जारी किया जाये, जो विद्यालय के भवन जर्जर की स्थिति में हैं, उसकी मानीटरिंग सही नहीं पायी जाती है तो सम्बन्धित अधिकारी के वेतन भुगतान पर कराने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि निपुण लक्ष्य अभियान की भी बेहतर ढंग से मानीटरिंग सुनिश्चित की जाये, इस योजना में शिथिलता बरतने वाले प्रधानाध्यापकों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति प्रतिशत में वृद्धि सुनिश्चित करायी जाये। इस मौके पर मुख्य विकस अधिकारी सौरभ गंगवार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक, ए0सी0एम0ओ0 डॉ0 आर0जी0 यादव, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधाशु शेखर शर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर खण्ड शिक्षा अधिकारीगण सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र ने थाना जुगैल का किया गया अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कालू सिंह द्वारा थाना जुगैल का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम द्वारा गार्ड सलामी ली गय़ी तत्पश्चात सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण

कर थाना कार्यालय, हवालात, मालखाना, महिला हेल्प डेस्क, कंप्यूटर कक्ष, सीसीटीवी, मेस, बैरक आदि का निरीक्षण किया गया तथा थाना परिसर, बैरक, मेस इत्यादि को साफ व स्वच्छ रखने एवं कार्यालय के अभिलेखों को अद्यावधिक कर बेहतर ढंग से व्यवस्थित रखने हेतु थाना प्रभारी जुगैल को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया, साथ ही अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने, थाने पर आने वाले प्रत्येक पीड़ित/शिकायतकर्ता की शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुनने व उनके प्रार्थना–पत्रों को रजिस्टर में क्रमबद्ध तरीके से अंकित कर उसकी शत–प्रतिशत सुनवाई करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई करने, शस्त्रों का रख–रखाव व नियमित साफ–सफाई करने हेतु, मिशन शक्ति कक्ष/महिला हेल्प डेस्क पर नियुक्त पुलिसकर्मी को आने वाली फरियादियों की समस्या को सहानुभूति पूर्वक सुनकर उनका निस्तारण कराने के साथ ही महिला सशक्तिकरण हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एंटी रोमियों टीम को अपने बीट क्षेत्र में जाकर महिलाओं/बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गये।

सत्याग्रहियों ने सुप्रीम कोर्ट के दहलीज पर दी दस्तक

- भ्रष्टाचारियों का शिकार हुआ ष्संवैधानिक अधिकारष्

- 810 दिनों से भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रचलित सत्याग्रह संकल्प पर मूकदर्शक बना शासकीय तंत्र

गोरखपुर। भ्रष्टाचार में डूबे मुख्यमंत्री के गृह नगर में तीसरी आंख मानवाधिकार संगठन द्वारा प्रचलित सत्याग्रह संकल्प के दूसरे चरण में लोक निर्माण विभाग के विरुद्ध 5 अक्टूबर 2021 से प्रचलित सत्याग्रह संकल्प संदर्भित मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश को संबोधित 37 बिंदुओं का प्रेषित ज्ञापन पर वर्षों

कार्रवाई नहीं किए जाने के उपरांत उक्त ज्ञापन मय संलग्नक मुख्य सचिव, भारत सरकार नई दिल्ली के समक्ष वैध ाानिक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया था, जिसे मुख्य सचिव, भारत सरकार नई दिल्ली ने लेने से इनकार करते हुए संगठन को वापस कर दिया गया, जिसके उपरांत सत्याग्रह से भयभीत भ्रष्ट अभियंताओं द्वारा जिला व पुलिस प्रशासन के संरक्षण में लोक निर्माण विभाग मुख्य अभियंता कार्यालय के मुख्य द्वार को 21 सितम्बर 2023 से बंद कर सत्याग्रहियों को मुख्य द्वार के बाहर सार्वजनिक मार्ग पर सत्याग्रह करने को विवश कर दिया है। जिसके विरुद्ध मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश व जिला,पुलिस प्रशासन के समक्ष वैधानिक कार्यवाही किए जाने हेतु प्रेषित शिकायत पत्रों पर अब तक विधिक कार्रवाई नहीं किए जाने के परिणाम स्वरूप प्रथम दृष्टया पुष्टि हो रही है कि उत्तर प्रदेश में संगठित भ्रष्टाचारियों का भ्रष्ट प्रशासन प्रचलित है और शासकीय तंत्र मुकदर्शक बना हुआ है। उक्त के परिणाम स्वरूप तीसरी आंख मानवाधिकार संगठन द्वारा सीएजी रिपोर्ट आधारित कारित भ्रष्टाचार मय संलग्नक पत्र माननीय रजिस्ट्रार, माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली एवं उक्त की पृष्ठांकित प्रति माननीय रजिस्ट्रार, माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के साथ साथ अन्य सम्बंधित को लगभग 130 प्रतियों में द्वारा आधिकारिक ईमेल आईडी प्रेषित करते हुए जनहित याचिका के रूप में स्वीकार करने की गुहार लगाई है। अब देखना है कि माननीय न्यायालयों द्वारा इसे गंभीरता से लेते हुए कब तक विधिक प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। उपरोक्त बातें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार मिश्र ने सत्याग्रह स्थल पर पत्रकारों से वार्ता के दौरान बताई।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा प्रारंभ

श्रीमद्भागवत पुराण सुनने से मनुष्य सात पीढ़ी तर जाती है– ब्यास रामजी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा,सोनभद्र। श्रीमद्भागवत पुराण की कथा कसया खुर्द गाँव में भाजपा किसान मोर्चा के जिलाउपाध्यक्ष के आवास पर सप्ताह दिवस की शनिवार को विधि विधान से पूजन अर्चन कर ब्यास राम तिवारी के मुखार विन्द से प्रारंभ किया गया। कथा आयोजक राजेश कुमार मिश्र ने बताया कि अमृत वर्षा करने वाली कथा 30 सितम्बर से प्रारंभ हो कर 6 अक्टूबर तक कथा का आयोजन किया गया है। मूल पाठ प्रतिदिन सुबह 7बजे से11बजे तक और श्रीमद्भागवत कथा का सुवर्षा (प्रवचन) प्रतिदिन 4 बजे शुरू हो कर 7 बजे तक किया जायेगा। गुप्काशी से पधारे राम जी ब्यास ने बताया कि यह कथा सौभाग्यशाली लोग होते हैं जो श्रीमद्भागवत कथा रामगंगा में डुबकी लगाकर कर रसपान करते हैं। जो भी प्राणि इस कथा का रसपान करता है उसकी साथ पीढ़ी तर जाती है।इस कथा आयोजन कर्ता को पूर्वजों के पूण्य प्रताप के कारण मन मे यह कथा कराने की जागृति प्राप्त होता है।इस अवसर पर रमाकांत मिश्र, प्रभुनारायण मिश्र, प्रमोद कुमार मिश्र, डॉ0 मनोज कुमार मिश्र, मुकेश कुमार मिश्र, जितेन्द्र मिश्र, सुशील मौर्य सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम का शुभारंभ का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। प्रधानमंत्री द्वारा संकल्प सप्ताह सबकी आकांक्षाएं

सबका विकास (आकांक्षी ब्लाक) कार्यक्रम का शुभारंभ भारत मण्डपम् नई दिल्ली से सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में पूर्वान्ह 10.00 बजे से किया गया, कार्यक्रम के सीधा प्रसारण को सांसद पकौड़ी लाल कोल, मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, विधायक घोरावल के प्रतिनिधि सुरेन्द्र मौर्या, जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान आदि अधिकारियों ने सजीव प्रसारण को देखा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण चतरा ब्लाक परिसर में भी दिखाया गया।

डिस्ट्रिक्ट एक्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्रविजय सिंह कि अध्यक्षता में नन्दबाबा दुग्ध मिशन के क्रियान्वन एवं अनुश्रवण हेतु गठित डिस्ट्रिक्ट एक्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी, बैठक में जिलाधिकारी ने कहा की नन्दबाबा दुग्ध मिषन के अन्तर्गत संचालित मुख्यमंत्री प्रगतीशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना ,स्वदेशी गायों में नस्ल सुधार एवं दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि हेतु सरकार द्वारा चलायी जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत प्रगितिशील पशुपालकों को उन्नतनश्ल की स्वदेशी गायों यथा गिर, साहीवाल,हरियाणा, गंगातीरी एवं थारपारकर से निर्धारित मानक पर 7 से 12 ली0 दुग्ध उत्पादन करने पर प्रतिपशु 10 हजार रूपये तथा 12 ली0 से अधिक दुग्ध उत्पादन पर मु0 15 हजार रूपये तक की प्रोत्साहन राशि एवं प्रमाण–पत्र दिया जायेगा। ब्यात के 45 दिन के अन्दर आवेदन करना अनिवार्य है। योजना क्रियान्वयन एवं प्रचार के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश देते हुये कहा गया की विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना के सम्बन्ध में पशुपालको को विस्तार से जानकारी देते हुये उन्हे योजना का लाभ लेने हेतु प्रेरित करें। मुख्यमन्त्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्तियों द्वारा निर्धारित आवेदन अवधि के भीतर निर्धारित आवेदन प्रारूप पर मुख्य विकास अधिकारी/मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय में पंजी.त डाक/स्वयं प्रस्तुत करना होगा, अत्यधिक जानकारी के लिये श्री मनोज कुमार दूबे वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक के मोबाइल नं0 9335371942 पर सम्पर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 ए0के0 सिंह वरिष्ठ कोषाधिकारी इन्द्रभान सिंह, जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, अर्थ एवं सख्याधिकारी सत्यपाल वर्मा, उप दुग्धशाला विकास अधिकारी राजेश कुमार सोनकर ,वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक मनोज कुमार दूबे उपस्थित रहें।

संस्कृत प्रतिभा खोज परीक्षा में 88 बच्चे रहे उपस्थित

जिले के विभिन्न विद्यालयों से बच्चों ने डी परीक्षा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिला मुख्यालय स्थित रॉबर्ट्सगंज जीजीआईसी

इंटर कॉलेज परिसर में शनिवार को संस्ृत प्रतिभा खोज परीक्षा 2023 आयोजित की गई जिसमें पंजी.त संख्या 206 जिम उपस्थित 88 अनुपस्थित 118 छात्राएं शामिल रहे 18 शिक्षकों के संरक्षण में एक पाली में संपन्न कराई गई सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा।

जीजीआईसी रॉबर्ट्सगंज प्रधानाचार्य रंजना शुक्ला ने बताया कि डीआईओएस के दिशा निर्देशानुसार विद्यालय परिसर में जिले भर से आए संस्ृत प्रतिभा खोज परीक्षा 2023 का पेपर संपन्न कराया गया जिसमें पंजी.त 206 छात्राएं रहे जिनमें उपस्थित 88 बच्चों ने परीक्षा दी वहीं 118 बच्चे परीक्षा से रहे अनुपस्थित श्री शुक्ल ने बताया कि 18 शिक्षकों के संरक्षण में सुरक्षा व्यवस्था के साथ कई क्लास में सेंटर सीटिंग प्लान करते हुए संस्ृत प्रतिभा खोज परीक्षा संपन्न कराया गया। इस दौरान अजीत कुमार वंदना सिंह, पूजा सिंह, रेखा कुमारी, पूजा सिंह, नेहा विश्वकर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:- 9454400305
थाना मोहाना	मो0:- 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:- 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:- 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:- 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:- 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:- 9454404244

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

थाना शोहरतगढ़	मो0:- 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:- 9454404236
थाना इटवा	मो0:- 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:- 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:- 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:- 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:- 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:- 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:- 9454404232
थाना लोटन	मो0:- 9454404237
महिला थाना	मो0:- 9454404891

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

करण पटेल के करियर की पहली फिल्म डर्रान छू का ट्रेलर जारी, 13 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

टीवी शो कहानी घर घर की में विज्ञात का किरदार निभाकर घर–घर में मशहूर हुए करण पटेल पिछले कुछ वक्त से अपनी

फिल्म डर्रान छू को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए करण बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। निर्माताओं ने डर्रान छू का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो कॉमेडी से भरपूर है। फिल्म में करण के किरदार का नाम मानव अवस्थी है, जो अपनी जिंदगी और मौत की कहानी बता रहा है। फिल्म डर्रान छू 13 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसमें करण के अलावा स्मृति कालरा, मनोज जोशी, किरण भार्गव, सानंद वर्मा और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।फिल्म का निर्देशन भारत रत्न ने किया है।डर्रान छू मीनू पटेल और अंकिता भार्गव पटेल द्वारा निर्मित है, वहीं इस फिल्म की कहानी एम सलीम ने लिखी है।करण ये है मोहब्बतें और कसौटी जिंदगी की जैसे सुपरहिट टीवी शो में भी नजर आ चुके हैं।

मोहित रैना की मुंबई डायरीज 2 का ट्रेलर जारी

भारत के सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो ने आज अपने सबसे मोस्ट अवेटेड मेडिकल ड्रामा, मुंबई डायरीज के दूसरे सीजन के ट्रेलर को लॉन्च किया. दूसरा सीजन पहले सीजन की घटनाओं के कुछ महीनों बाद शुरू होता है जब बॉम्बे जनरल हॉस्पिटल के कर्मचारियों को पूरे दिन की मूसलाधार बारिश और उसके बाद हुई तबाही के कारण नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है.

निखिल आडवाणी द्वारा क्रिएटेड और निर्देशित यह मेडिकल ड्रामा, एम्मे एंटरटेनमेंट की मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी द्वारा निर्मित है. इस सीरीज में पिछले सीजन के बेहद वर्सेटाइल कलाकारों कोंकणा सेन शर्मा, मोहित रैना, टीना देसाई, श्रेया ध ानवंतरी, सत्यजीत दुबे, नताशा भारद्वाज, मृण्मयी देशपांडे और प्रकाश बेलावाड़ी की वापसी हुई है, और साथ ही इसमें परमब्रत चट्टोपाध्याय और रिद्धि डोगरा जैसे नए कलाकार भी शामिल हैं. 6 अक्टूबर को भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और टेरिटरीज में प्रीमियर के लिए तैयार मुंबई डायरीज सीजन 2 केवल प्राइम वीडियो पर प्राइम मेम्बरशिप वाले दर्शकों के लिए लेटेस्ट एडिशन है. भारत में प्राइम सदस्य केवल 1499 रुपये प्रति वर्ष देकर एक सिंगल मेम्बरशिप में बचत, सुविधा और मनोरंजन का आनंद लेते हैं.

ट्रेलर से ही इस बात का यकीन हो जाता है कि सीजन बेहद रोमांचक होने वाला है, जिसमे विनाशकारी बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है, जिसके कारण मुंबई शहर के डूब जाने का खतरा है.शहर को बचाने के लिए बॉम्बे जनरल हॉस्पिटल के कर्मचारियों को एक बार फिर अपने उन पर्सनल इश्यूज को परे रखना होगा जिनमे से कुछ उन्हें, उनके रिश्तों और उनके भविष्य को खत्म कर सकते हैं. उन्हें अतीत के बुरे अनुभवों और वर्तमान परिस्थितियों के साथ संघर्ष करके अपनी पहचान बनाए रखनी होगी और उस काम में जुट जाना होगा जो उन्हें सबसे अच्छी तरह आता है – दूसरों की जान बचाना . मोहित रैना ने कहा मैं मुंबई डायरीज के दूसरे सीजन को लेकर बहुत एक्साइटेड हूँ. यह अब तक एक शानदार यात्रा रही है, और मुझे लगता है कि इस सीजन में दर्शकों को डॉ. कौशिक के व्यक्तित्त्व का एक अलग पहलू देखने को मिलेगा. पहले सीजन में, हमने अपने केरेक्टर्स और अस्पताल के माहौल को स्थापित किया, और अब, सीजन दो में, हम अपने केरेक्टर्स के पर्सनल और प्रोफेशनल जीवन में और भी गहराई से उतर रहे हैं. इसमें मेडिकल केसेस ज्यादा कॉम्प्लेक्स हैं, रिश्ते ज्यादा प्रगाढ़ हैं, और बाढ़ से हुई तबाही के कारण ड्रामा को नई ऊंचाइयों पर ले जाया गया है. एम्मे की टीम, प्राइम वीडियो और निखिल ने एक ऐसा शो बनाया है जो वास्तव में दर्शकों को बांधे रखेगा. मैं एक बार फिर दुनिया भर के दर्शकों के साथ इस यात्रा में हमारे साथ जुडने के लिए बेताब हूँ. एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा कहती हैं, मुंबई डायरीज के सेट पर एक बार फिर काम करना मेरे लिए घर वापसी जैसा था. निखिल आडवाणी के साथ काम करना हमेशा एक मजेदार और सीखने वाला अनुभव रहा है. प्राइम वीडियो और एम्मे एंटरटेनमेंट ने इस बार इसका स्तर और बढ़ा दिया है, और यह इस सीजन की कहानी में स्पष्ट है, क्योंकि यह डॉक्टर्स, नर्सेस और स्टाफ के बीच रिश्तों के साजिघ्श और ड्रामा की कई परतों वाले पेचीदा बंधन को गहराई से सामने लाता है. मेरे लिए विशेष रूप से इंट्रेस्टिंग बात यह है कि इस सीजन में मेरा केरेक्टर, चित्रा, महत्वपूर्ण इवेंट से गुजरती हैं क्योंकि इस बार वह अपने अतीत से रूबरू होती है. मैं पहले सीजन को मिले प्यार और सराहना के लिए आभारी हूँ और इस अगले चौप्टर को सभी के साथ शेयर करने के लिए बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूँ.

सुखमनी सदाना ने कश्मीर में तनाव सीजन 2 की शूटिंग शुरू की

मनमर्जियां, सेक्रेड गेम्स और तांडव के लिए मशहूर अभिनेत्री सुखमनी सदाना स्ट्रीमिंग सीरीज तनाव के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू करने के लिए कश्मीर पहुंच गई हैं। वह शो के दूसरे सीजन

में नुसरत फारूकी की अपनी भूमिका को दोहराती नजर आएंगी, जो प्रशंसित इजराइली शो फौदा का आधिकारिक भारतीय रूपांतरण है। नुसरत गहन जटिलता का एक चरित्र है, जो उदास और ग्रे रंगों में डूबा हुआ है, जो शो के परिदृश्य में साजि?श की परतें जोड़ता है। पहले सीजन में अभिनेत्री को नुसरत फारूकी के किरदार को उसकी गहराई और प्रामाणिकता के लिए प्रशंसा मिली थी। शो में साहिबा बाली, अर्सलान गोनी, अमित गौर और सत्यदीप मिश्रा भी हैं। तनाव सीजन 2 और भी अधिक गहन और मनोरम कहानी पेश करने का वादा करता है।